www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 79 || लखनऊ
शुक्रवार
19 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 07:02
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 31°00

» पेज 07

विशेष समाचार | जी-7 की सदस्यता से भारत... » पेज 04 | बिजनौर में दबंग ने कार से गन... » पेज 06 | तमिलनाडु सीएम थलापति विजय...

मोदी बोले- भारत और यूरोप के बीच फ्रांस पुल जैसा ■ हमारे पास वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पब्लिक गुड्स

तकनीक से बदल रहा देश : मोदी

भारत के लिए एआई का मतलब 'ऑल इंक्लूसिव' : पेरिस में बोले पीएम मोदी-एफिल टावर पर चल रहा यूपीआई

हमारे पास ऐसे कई वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पब्लिक गुड्स के उदाहरण हैं। डिजिलॉकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल डॉक्यूमेंट वॉलेट में से एक है।

इनोवेशन

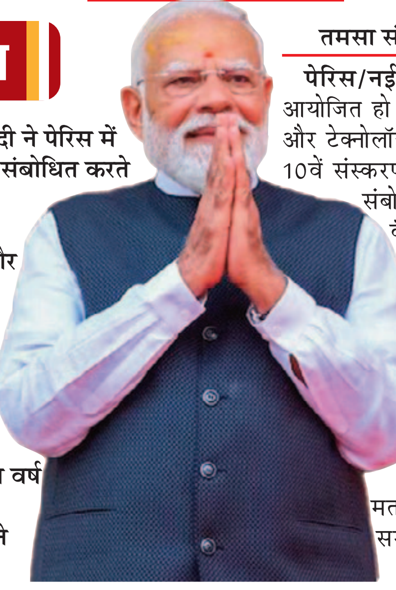

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में 'विवाटेक 2026' को संबोधित करते हुए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारत तकनीक के दम पर तेजी से बदल रहा है और भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष दोनों क्षेत्रों के टेक इकोसिस्टम को जोड़ने का काम कर रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

पेरिस/नई दिल्ली। फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी उत्सव 'विवाटेक 2026' के 10वें संस्करण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस साल इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में भारत 'AI कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बड़े बदलाव के दौर में तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो हर किसी के काम आए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहा कि भारत के लिए 'AI' का सीधा मतलब 'ऑल इंक्लूसिव' यानी सबका समावेश और सबका कल्याण है।

» (शेष पेज 06 पर)

"यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा। साल 2026 भारत और यूरोप के संबंधों के लिए बेहद खास है।"
■ नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

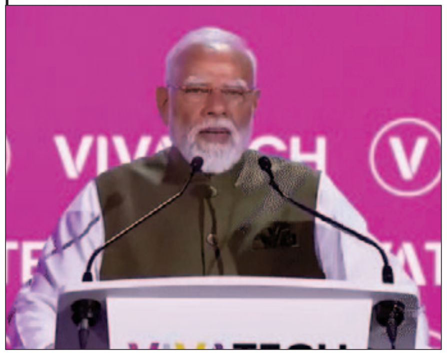

इनोवेशन के लिए 50 अरब डॉलर की बड़ी मदद

वैश्विक निवेशकों और टेक कंपनियों को भारत में आमंत्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने कई बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट पूल है, जहां सरकार नियमों को आसान बनाकर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। इनोवेशन से लेकर प्रोडक्ट को मार्केट में उतारने तक के सफर के लिए भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर को 50 अरब डॉलर से अधिक के प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके साथ ही भारत दुनिया का सबसे किफायती डाटा और सबसे सस्ती ग्रीन एनर्जी भी उपलब्ध करा रहा है।

अकेले भारत में दुनिया के 50% डिजिटल ट्रांजैक्शन

पीएम मोदी ने पिछले एक दशक में तकनीक के दम पर भारत में आए महा-बदलाव का खाका भी पेश किया। उन्होंने बताया कि भारत आज तकनीक का इस्तेमाल वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बहुत बड़े पैमाने पर कर रहा है। आज दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल लेन-देन का आधा हिस्सा अकेले भारत में होता है। भारत की यह ताकत अब फ्रांस में भी दिखाई दे रही है, जहां लोग पेरिस के मशहूर एफिल टावर और पेरिस एयरपोर्ट पर भी यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर पा रहे हैं। डिजीलॉकर जैसी डिजिटल पब्लिक गुड्स आज दुनिया के सामने मिसाल हैं।

सरकार राह बनाएगी, इंडस्ट्री करेगी कमाल

प्रधानमंत्री ने देश की नई टेक नीति को साफ करते हुए एक नया मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि हमारी नीति स्पष्ट है। सरकार रास्ता बनाएगी और इंडस्ट्री इनोवेशन करेगी, स्टार्टअप्स नए बदलाव लाएंगे और ग्लोबल पार्टनर्स हमारे साथ मिलकर इसे बड़े पैमाने पर स्केल करेंगे। पीएम मोदी ने सम्मेलन में मौजूद सभी दिग्गजों से अपील की कि वे आगे आएं, भारत के साथ मिलकर काम करें और एक ऐसी तकनीक विकसित करें जो पूरी दुनिया के जीवन को बेहतर बना सके। भारत एक खुला समाज है और दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट पूल है। हम नियमों को आसान बना रहे हैं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुनिश्चित कर रहे हैं। इनोवेशन से लेकर कमर्शियलाइजेशन तक, हम 50 बिलियन डॉलर से ज्यादा के खास इंसेंटिव के जरिए प्राइवेट कंपनियों को सपोर्ट कर रहे हैं।

■ भारत में दुनिया में सबसे सस्ता डेटा उपलब्ध है:

हम दुनिया का सबसे सस्ता डेटा और कम लागत वाली ग्रीन एनर्जी भी उपलब्ध करा रहे हैं। हमारा नजरिया साफ है। हमारी सरकार सुविधा देगी और इंडस्ट्री इनोवेशन करेगी। स्टार्टअप्स बड़े बदलाव लाएंगे और ग्लोबल पार्टनर हमारे साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।

भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम
पिछले दशक में, भारत तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव के पीछे टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका है। दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म तक, हम फाइनेंशियल इन्क्लूजन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और कई अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं।
2026 भारत और यूरोप के लिए एक खास साल है
साल की शुरुआत में, हमने ऐतिहासिक भारत-EU फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया। यह एग्रीमेंट हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा। इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर' की शुरुआत के साथ, फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है जो भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है।

राज्यसभा चुनाव- झारखंड में क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली। 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए गुरुवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी हो गई। इनमें से 19 सीटें NDA को, इंडिया ब्लॉक को 6 और एक सीट मिजोरम की जोराम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) को मिली। इस चुनाव में NDA और इंडिया ब्लॉक को एक-एक सीट का फायदा हुआ। गुरुवार को झारखंड की 2 और मिजोरम की एक राज्यसभा सीटों के रिजल्ट गुरुवार को आए। झारखंड में एक सीट NDA समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार और उद्योगपति परिमल नाथवानी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम ने जीत दर्ज की। वहीं, मिजोरम की एक सीट पर जोराम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) प्रत्याशी के. लल्टलुआंगकिमा जीते।

झारखंड में क्रॉस वोटिंग की वजह से परिमल को जीत दर्ज मिली। यहां 3 वोट अवैध पड़े। कांग्रेस ने आरजेडी और लेफ्ट पर साथ ना देने का आरोप लगाया।

बैठकः उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट

9 में से सिर्फ 3 सांसद बैठक में पहुंचे

एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में 9 में से सिर्फ 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी कर दिल्ली में होने वाली बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया था।

बैठक में पहुंचे सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जो सांसद नहीं आए पार्टी उनके खिलाफ नोटिस जारी करेगी। UBT के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में आएगा वो हमारे साथ है, जो नहीं आएगा वो गद्दार।

■ बैठक में नहीं पहुंचे 6 सांसदों पर होगा एक्शन, नोटिस भेजेंगे उद्धव

» (शेष पेज 06 पर)

जालसाजों ने उड़ाए 7.8 करोड़

पूर्व प्रधानमंत्री आईके गुजराल के बेटे की कंपनी को लगाई चपत

धोखाधड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश गुजराल के साथ साइबर धोखाधड़ी हुई है। धोखेबाजों ने मैसेजिंग ऐप पर उनकी प्रोफाइल फोटो लगाई और उन्होंने उनकी कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी को ठगा। इस धोखाधड़ी में 7.8 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नरेश गुजराल पूर्व प्रधानमंत्री आई के गुजराल के बेटे हैं। वह 1997 से 1998 तक भारत के 12वें प्रधानमंत्री रहे थे। यह धोखाधड़ी 12 जून से 16 जून के बीच हुई। जालसाजों ने गुजराल की डिस्प्ले पिक्चर का उपयोग किया। उन्होंने एक ऑनलाइन मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर खाता बनाया। उन्होंने कर्मचारी को तत्काल व्यापारिक उद्देश्यों के लिए पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। कर्मचारी ने चार दिनों में चार अलग-अलग आरटीजीएस लेनदेन किए। इससे कंपनी को 7.8 करोड़ रुपये की हानि हुई।

यह धोखाधड़ी 16 जून को सामने आई। गुजराल की बेटी ने लेनदेन पर ध्यान दिया। उन्होंने तुरंत अपने पिता से इसकी पुष्टि की। तब पता चला कि गुजराल ने ऐसे कोई निर्देश नहीं दिए थे। नरेश गुजराल की शिकायत पर 16 जून 2026 को एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 7.68 करोड़ रुपये की कुल धोखाधड़ी वाली राशि में से 4.28 करोड़ रुपये विभिन्न बैंकों में फ्रीज कर दिए हैं।

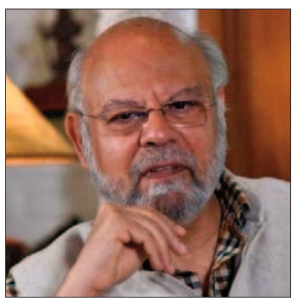

30-40
■ खातों में बांटी गई रकम
■ जालसाजों ने फेक वॉट्सएप अकाउंट बनाकर पैसे ट्रांसफर कराए

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

बाबा पर महिला से 15 साल तक रेप का आरोप

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक बाबा को 15 साल तक महिला के साथ रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपी खुद को भगवान का अवतार बताता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हरियाणा का रहने वाला राधामोहन मिश्रा (59) है और पुणे में स्थित बंगले में आश्रम चलाता था। पुलिस के मुताबिक, वह लोगों को परिवार, स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याएं दूर करने का झांसा देता था। 41 साल की पीड़ित महिला हरियाणा की रहने वाली है।

2 दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने सुसाइड किया

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में NEET की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को वॉट्सएप मैसेज भेजे थे।

मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने NEET परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैंसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।'

शादी के 48वें दिन डॉक्टर की पत्नी ने सुसाइड किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में शादी के महज 48 दिन बाद 26 साल विशाखा तिलकर ने आत्महत्या कर ली। विशाखा पुणे की रहने वाली थी। ठाणे जिले के अंबरनाथ में रहने वाले डॉक्टर नितिन तिलकर से 30 अप्रैल को उसकी अरेंज मैरिज हुई थी। नितिन BHMS डॉक्टर है और उल्हासनगर में प्रैक्टिस करता है। पुलिस ने नितिन, उसकी मां छाया और भाई को गिरफ्तार किया है। तीनों पर दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

₹1.32 लाख करोड़ नीट छात्रों से वसूले : प्रियंका

यह रकम शिक्षा बजट के लगभग बराबर

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया कि हर साल NEET परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्र और उनके परिवार से सिस्टम के जरिए 1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह रकम देश के पूरे शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है।

प्रियंका गांधी ने बुधवार रात X पोस्ट में ये भी लिखा- मैं एक बात और जोड़ना चाहती हूं कि भारत सरकार ने अपने पसंदीदा कारोबारियों के जो लोन माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपए हैं।

■ पसंदीदा कारोबारियों का 16 लाख करोड़ लोन माफ

प्रियंका की यह टिप्पणी राहुल गांधी के कोटा दौरे के बाद आई। राहुल ने बुधवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत में शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते दबावों पर चर्चा की थी। राहुल ने कहा- भारत की पांच बड़ी परीक्षाओं- NEET, JEE, SSC, UPSC और RRB की तैयारी में छात्र और उनके परिवार हर साल 3.5 लाख करोड़ खर्च करते हैं।

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट में सरकार का दावा- यह अपराधियों का पसंदीदा प्लेटफॉर्म ■ इसलिए रीएग्जाम से पहले रोक लगाई

टेलीग्राम क्यों बैन किया?

निर्देश

■ भारत सरकार ने 21 जून को होने वाले NEET रीएग्जाम से पहले टेलीग्राम चैनल पर अस्थायी बैन लगाया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी।

एक अलग निर्देश में टेलीग्राम को 30 जून तक पहले भेजे गए मैसेज को एडिट करने की सुविधा बंद करने का भी निर्देश दिया गया है।

जस्टिस तेजस कारिया दिल्ली हाईकोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने दावा किया है कि टेलीग्राम का इस्तेमाल साइबर क्राइम, एग्जाम पेपर लीक, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, आतंकवाद से जुड़े प्रचार और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा है।

दिल्ली हाइकोर्ट में दिए हलफनामे में केंद्र ने बताया कि टेलीग्राम की गोपनीयता और गुमनामी बनाए रखने वाली विशेषताओं ने इसे आपराधियों का पसंदीदा नेटवर्क बना दिया है।

»(शेष पेज 06 पर)

सरकार ने हलफनामे में दावे

टेलीग्राम में एक अकाउंट से 40 बॉट बनाए जा सकते हैं। व्हाट्सएप में हर यूजर की एक बॉट की सीमा है।

यह प्लेटफॉर्म क्लाउड के जरिए संचालित होता है। अपराध करने वालों का पता नहीं लगाया जा सकता। यानी इसे ब्लॉक भी कर दें और कोई गड़बड़ करे, तो जांच एजेंसियां असली यूजर तक नहीं पहुंच सकतीं।

» (शेष 06 पर)

चीन, फ्रांस, रूस जर्मनी में टेलीग्राम पर हो चुकी कार्रवाई

हलफनामा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में काम करने वाले वैज्ञानिक मयंक ने हाईकोर्ट में जमा किया। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, हलफनामे में कहा गया है कि यह ऐप साइबर अपराधियों के लिए पसंदीदा प्लेटफॉर्म बन गया है। वे गैर-कानूनी गतिविधियों – जैसे फाइनेंशियल फ्रॉड, मैलवेयर फैलाना, डेटा चोरी और लीक हुए पेपर फैलाना – को अंजाम देने के लिए नकली अकाउंट, छिपी हुई पहचान, चैनल और ग्रुप का इस्तेमाल करते हैं।

» (शेष 06 पर)

प्रशासन ने चंपत राय से कहा- आप न आएं, अपना प्रतिनिधि भेजें ■ यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अयोध्या पहुंचे

राम मंदिर चढ़ावा जांच के बीच योगी आज अयोध्या में

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या जाएंगे। वह राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे, लेकिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय दूर रहेंगे। उन्हें कार्यक्रम में आने से मना किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन ने सीएम का जो प्रोटोकॉल लेटर जारी किया है, उसमें इस बात का जिक्र है। लेटर में पॉइंट नंबर 29 में चंपत राय से अनुरोध किया गया है कि योगी के राम मंदिर कार्यक्रम के लिए वह किसी अन्य व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि नामित करें। इसकी सूचना ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें।

चंपत राय राम मंदिर के सबसे पावरफुल शख्स हैं। पूरे मंदिर की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है। मंदिर में जब भी कोई वीआईपी कार्यक्रम या दौरा हुआ है, चंपत राय उसमें हमेशा मौजूद रहे हैं।

इधर, गुरुवार को चौथे दिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) सुबह 8.30 बजे राम मंदिर पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा राशि की गिनती और उससे जुड़े कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर टीम आज मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र से पूछताछ की।

एसआईटी RMO (रेडियो प्रचार निरीक्षक) अर्जुन सिंह और राम जन्मभूमि चौकी प्रभारी से भी पूछताछ कर सकती है। अर्जुन सिंह करीब 20 सालों से राम मंदिर में ड्यूटी कर रहे हैं। वह VIP दर्शन से लेकर राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े रहे हैं। SIT ने 3 दिनों में करीब 100 कर्मचारियों से पूछताछ की है।

मंदिर में सीईओ की नियुक्ति हो सकती है

राम मंदिर में भी काशी के विश्वनाथ मंदिर की तरह (सीईओ) की नियुक्ति हो सकती है। सीईओ कोई सीनियर IAS होगा, जो कि राम मंदिर में व्यवस्था से जुड़े फैसले लेगा। इस पर ट्रस्ट और सरकार मंथन कर रही है।

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा- भाजपा चढ़ावा चोरी कर रही है। इसमें बड़े लोग शामिल हैं। यह हिस्से के बंटवारे की लड़ाई है। सोने की ईंटें गायब हैं। भाजपा चोरी को दबाने की कोशिश कर रही है। चंपत राय और गोपाल राव की गिरफ्तारी होनी चाहिए। ये भगवान राम के नाम पर लूट कर रहे हैं। मामले की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच करानी चाहिए।

गोवंश फसल खाते हैं, गाली मुझे मिलती है:योगी

लोग गाय का दूध पीकर सड़कों पर छोड़ देते हैं

कार्यशाला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 'लोगों ने खेती और पशुपालन से दूरी बनाकर शॉर्टकट का रास्ता अपनाया, जिसके दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। बैलों का उपयोग करना बंद कर दिया। गाय का दूध पीएंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे। वो फसल को नुकसान पहुंचाएंगे, तो गाली मुझे देंगे। गाय हमारी माता है, जन्म-जन्मांतर का नाता है। हम गो माता को कटने नहीं देंगे।'

यह बात सीएम योगी ने गुरुवार को कानपुर में कही। वह प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CSA) में कृषि उत्पादों के स्टॉल का मुआयना किया। योगी ने कहा कि देश के अंदर जन्मा हर व्यक्ति गोमाता की पूजा करता है।

■ गाय हमारी माता है, जन्म -जन्मांतर का नाता है। हम गो माता को कटने नहीं देंगे।

»(शेष पेज 06 पर)

अयोध्या कोतवाली में चंपत राय समेत अन्य के खिलाफ भेजी तहरीर, ट्रस्ट को तुरंत भंग करने और चोरों की गिरफ्तारी की मांग

ईडी पार्टी के संरक्षण में हो रही प्रभु श्री राम के दान पात्र में डकैती

कटाक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/अयोध्या। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आज राजधानी लखनऊ में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट में हुए कथित चंदा चोरी और भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। संजय सिंह ने ऐलान किया कि उन्होंने अयोध्या के राम जन्मभूमि थाना अध्यक्ष को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अन्य अभियुक्तों के खिलाफ नामजद तहरीर भेजकर तत्काल

FIR दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।

सांसद संजय सिंह ने कहा, चंदा चोरी के इस महाघोटाले से पूरा देश हैरान है। खुलासे के बाद खुलासे हो रहे हैं और भ्रष्टाचार की पोल खुलती जा रही है। प्रभु श्री राम के नाम पर आए चढ़ावे और चंदे में जो डकैती हो रही है, उसे भाजपा सरकार और उनकी जांच एजेंसियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है। इसके अलावा, हाल ही में महंत मुरलीदास से 3 करोड़ की जमीन 24 करोड़ में खरीदने और सुल्तान अंसारी के प्रकरण को भी तहरीर का हिस्सा बनाया गया है।

प्रेस वार्ता के दूसरे हिस्से में सांसद संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी के आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पार्टी की पांच चरणों की पदयात्रा सफलतापूर्वक समाप्त हो चुकी है। अब छठे चरण की पदयात्रा 'अगस्त क्रांति' के महीने में आयोजित की जाएगी।

> "राम के नाम पर चंदा चोरी करने वाले 'भ्रष्ट ट्रस्ट' को तुरंत भंग करे सरकार, चंपत राय को भेजा जेल" सांसद संजय सिंह का आर-पार का ऐलान

क्या बीजेपी के नेता और संत भी रामद्रोही हैं?

संजय सिंह ने भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा सवाल उठाने वालों को 'रामद्रोही' कहे जाने पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल दागा, "जब हम सवाल उठाते हैं तो हमें गालियां दी जाती हैं। अखिलेश यादव जी सवाल उठाएं तो उनके परिवार पर अभद्र टिप्पणियां की जाती हैं। लेकिन मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या विनय कटियार, संत नित्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी कमल नयन दास, भाजपा नेता रजनीश सिंह और मंदिर आंदोलन से जुड़े संतोष दुबे भी रामद्रोही हैं? अब तो आपके अपने लोग कह रहे हैं कि भारी भ्रष्टाचार और चोरी हुई है।

'ईडी पार्टी' और भ्रष्ट ट्रस्ट पर तीखे सवाल

भाजपा पर तंज कसते हुए संजय सिंह ने कहा कि देश में एक 'ED पार्टी' काम कर रही है, जो विपक्ष के हर छोटे-बड़े मामले में ED और CBI भेज देती है, लेकिन भगवान राम के दान पात्र से सैकड़ों करोड़ की चोरी पर उसकी जुबान बंद है। उन्होंने कहा कि मामले में तथ्य, प्रमाण, CCTV फुटेज, हिरासत में लिए गए लोगों के बयान और चोरी के माल की बरामदगी (अविनाश शुक्ला से 5 लाख और लोकेश मिश्रा से 15 लाख रुपये) होने के बावजूद अब तक चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल या टिंन्नू जैसे मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई?

संजय सिंह ने मांग की कि इस 'भ्रष्ट ट्रस्ट' को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाना चाहिए क्योंकि इन्हें पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने 2021 के जमीन घोटाले का भी जिक्र किया, जहां 2 करोड़ की जमीन को 5 मिनट में 18.5 करोड़ में खरीदा गया था और तत्कालीन मेयर ऋषिकेश उपाध्याय भी उसमें शामिल थे।

- प्रभु श्री राम के दान पात्र और चढ़ावे में सैकड़ों करोड़ की चोरी, लेकिन 'एऊपार्टी' (भाजपा) के राज में एक भी गिरफ्तारी नहीं: संजय सिंह
- ईडी पार्टी' के संरक्षण में हो रही प्रभु श्री राम के दान पात्र में डकैती, नाम और प्रमाण के बावजूद चोर खुलेआम क्यों घूम रहे हैं?: संजय सिंह
- आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में शुरु करेगी छठे चरण की पदयात्रा; 16 से 23 अगस्त तक आजमगढ़ से जौनपुर तक गूंजेगा 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' का नारा

जिन 72 गरीबों को फ्लैट दिए, वो अवैध एलडीए और सिंचाई विभाग में ठनी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 8 महीने पहले सरकार ने जिन 72 गरीबों को फ्लैट दिए थे, उन्हें सिंचाई विभाग ने अवैध बता दिया है। गुरुवार को सिंचाई विभाग ने एक फ्लैट पर नोटिस चिपका दिया। जिसमें लिखा है- आपका घर अवैध रूप से सिंचाई विभाग की जमीन पर बना है। 7 दिन के अंदर कब्जा हटा लें, अन्यथा इसे विभाग खाली करा लेगा। 7 दिन की समय-सीमा समाप्त होने के बाद यही कोई क्षति होती है तो आप स्वयं जिम्मेदार होंगे। आपसे हर्जा-खर्चा के साथ समन शुल्क वसूला जाएगा। इसलिए नोटिस मिलने के 7 दिन के अंदर विभाग की भूमि से अवैध कब्जा हटा लें।

इन फ्लैट्स को LDA यानी लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सरदार पटेल आवासीय योजना के तहत बनाया था। जमीन पर माफिया मुख्तार अंसारी का कब्जा था, प्रशासन ने मुक्त कराया था। नवंबर 2025 में लोगों को घरों का आवंटन किया गया था।

लखनऊ में डालीबाग पॉश इलाका है। लगभग 2,314 वर्गमीटर जमीन माफिया मुख्तार अंसारी के अवैध कब्जे में थी। इसे मुक्त कराकर LDA ने ग्राउंड प्लस थ्री स्ट्रक्चर के तीन ब्लॉक बनवाए। हर फ्लैट का क्षेत्रफल 36.65 वर्गमीटर है, जिसकी कीमत 10.70 लाख रुपए रखी गई थी।

योजना में साफ पानी, बिजली, सुरक्षा व्यवस्था और दो पहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा दी गई है। इसकी लोकेशन बेहद प्राइम मानी जा रही है। बंधा रोड पर स्थित यह परियोजना बालू अड्डा, 1090 चौराहा, नरही, सिकंदरबाग और हजरतगंज से महज 5 से 10 मिनट की दूरी पर है।

फास्ट न्यूज

शहीद पथ पर बनेगी 23 किमी लंबी एलिवेटेड रोड

लखनऊ। लखनऊ में तेजी से बढ़ रही आबादी और वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए शहीद पथ पर जल्द ही एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। रक्षा मंत्री व लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर शहीद पथ पर एलिवेटेड सड़क निर्माण का प्रस्ताव रखा है। शहीद पथ पर लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक के कारण कामता, चिनहट समेत कई प्रमुख चौराहों पर रोजाना जाम की स्थिति बन रही है।

लखनऊ की मोबाइल शॉप में तोड़फोड़

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में एक मोबाइल शॉप में घुसकर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट का आरोप लगा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना बादलखेड़ा स्थित मोहित मोबाइल शॉप में हुई।

सरदार भगत सिंह कॉलेज, शांति नगर कॉलोनी निवासी मनीष वाल्मीकि ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार शाम करीब 7:30 बजे दिलीप पाल और सुचित शर्मा अपने 10 से 12 साथियों के साथ उनकी दुकान में जबरन घुस आए।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले की नहीं हुई सुनवाई

लखनऊ। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के मामले को लेकर दायर की गई जनहित याचिका (PIL) की गुरुवार को लखनऊ हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई। डबल बेंच ने अर्जेंट हियरिंग में केस को टेकअप नहीं किया। याचिकाकर्ता वकील का कहना है कि अब इस पूरे मामले को लेकर सोमवार को नई डबल बेंच में सुनवाई हो सकती है।

निवेश नवाचार हरित ऊर्जा आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही सरकार

खाद्य प्रसंस्करण बना किसानों की समृद्धि और युवाओं के रोजगार का नया आधार : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाला महत्वपूर्ण आधार है। यह क्षेत्र किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के साथ-साथ हरित ऊर्जा को भी प्राथमिकता दे रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है,

जो उद्योगों की लागत कम करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होगा।

उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले।

- निवेश, नवाचार और हरित ऊर्जा आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही सरकार
- निवेश से विकास की नई राह पर उत्तर प्रदेश: खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मिली नई ऊर्जा
- उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्रांति की ओर कदम, 12 नई परियोजनाओं को मिली हरी झंडी
- कृषि उत्पादों का होगा मूल्य संवर्धन, बढ़ेगी किसानों की आय और मजबूत होगा रोजगार तंत्र -: केशव प्रसाद मौर्य

2027 में सरकार बनने पर सभी मांगें पूरी करने का दिया आश्वासन

अनुष्का पाल हत्याकांड: अखिलेश ने की पीड़ित परिवार से मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में मेरठ के सरधना क्षेत्र की राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं कई पदक विजेता 17 वर्षीय अनुष्का पाल के परिजनों से मुलाकात की। अनुष्का की हाल ही में अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। इस दौरान सरधना के विधायक अतुल प्रधान भी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने चिरोड़ी गांव निवासी अनुष्का के पिता नेमपाल पाल को सांत्वना दी और उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा अन्याय के खिलाफ संघर्ष करती रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के

लिए सदैव तत्पर रहेगी। इस अवसर पर पीड़ित परिवार की ओर से परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि इससे पहले समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और सरधना विधायक अतुल प्रधान भी अनुष्का पाल के गांव पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं तथा उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया था। बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, मेरठ के जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी, महानगर अध्यक्ष हाजी आदिल चौधरी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के

> सपा प्रमुख ने आश्वासन दिया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीड़ित परिवार की सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए हर संभव मदद की जाएगी।

जिलाध्यक्ष विजय पाल कश्यप, जिला उपाध्यक्ष सोनू पाल, पंडित पुन्नू, अनिल पाल, जिला पंचायत सदस्य दीप्ति पाल, नरेश पाल प्रधान, डॉ. संजीव, ब्रह्मपाल, आनंद पाल, नीरज पाल, विजेंद्र पाल, शौराज शर्मा, मोनू पाल, चौधरी जितेंद्र पाल, सोनू प्रधान, सहदेव पाल, सुनील पाल, विनोद पाल और श्याम सिंह पाल सहित कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमीन पर बैठे 200 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थी, बोले- 9 महीने से आश्वासन मिल रहा

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सामने प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। करीब 200 से ज्यादा होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थी आज, गुरुवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) मुख्यालय पहुंचे हुए हैं। वे भर्ती संख्या 09/2024 का अंतिम परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। यहां आयोग मुख्यालय के सामने जमीन पर बैठकर सुबह से शांतिपूर्ण धरना दे रहे हैं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 397 पदों के लिए मुख्य परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित की जा चुकी है। इसके बाद सितंबर 2025 में 2410 अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन भी पूरा करा लिया गया था। इसके बावजूद करीब 9 महीने बीत

जाने के बाद भी अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि आयोग की ओर से 9 महीने लगातार परिणाम जारी करने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन अब तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इससे हजारों उम्मीदवारों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। उनका कहना है कि लंबे इंतजार के कारण वे मानसिक और आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं।

200 अभ्यर्थी आए, रात से भूखे भी हैं

हरदोई से आए अभ्यर्थी राहुल मिश्रा ने कहा- पिछले 9 महीने से 9 बार लखनऊ आ चुके हैं। आज तक होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किया। हर बार यही कह दिया जाता है कि 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। पूरे उत्तर प्रदेश से करीब 200 अभ्यर्थी यहां आए हुए हैं। रात से भूखे भी हैं। रिजल्ट तैयार हो चुका है लेकिन जारी नहीं किया जा रहा है। जब तक रिजल्ट के लिए 100% आश्वासन नहीं मिल जाता, तब तक हम यहां से नहीं जाएंगे।

एसी में बैठकर बोल देते हैं कि रिजल्ट जारी होगा

जौनपुर से आए राजेश प्रचेता ने कहा- हम इसलिए प्रदर्शन में आए हैं कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हमको यहां एसी में बैठे अधिकारी बोल देते हैं कि अगले 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। लेकिन, बार-बार आने के बावजूद रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हम लोगों की क्या भावनाएं है, इसकी इन्हें परवाह नहीं है।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को मिलेगा 21,000 रुपये का पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में आगामी 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2026 अवसर पर आयुष विभाग द्वारा 03 बड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए आयुष विभाग द्वारा तैयार किये गये पोर्टल https://kavach.upayush.in पर प्रतियोगिता वाले सेक्शन में आनलाइन प्रतिभाग कर सकते हैं।

आयुष विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली स्लोगन प्रतियोगिता होगी। जिसके तहत हिन्दी भाषा में न्यूनतम दो लाइन अधिकतम चार लाइन की होगी। दूसरी योग चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसके अंतर्गत पोस्टर साइज 70''56 सेमी0 (चार्ट पेपर) जो हाथ के माध्यम से बनायी जायेगी। इसी प्रकार तीसरी योगासन प्रतियोगिता होगी, जिसके अंतर्गत वीडियो अधिकतम 01 मिनट की होगी। सभी प्रतियोगिता में समस्त जन सामान्य भाग ले सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य आम जनमानस को योग के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना है। ताकि लोग लेखन, चित्रकला एवं दृश्य माध्यम के द्वारा ''योग दिवस'' में सहभागी बन स्वयं की प्रतिभा का भी प्रदर्शन करें और पुरस्कार जीतें।

प्रथम पुरस्कार पाने वाले प्रतियोगी को 21000 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 11000 रूपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 5100 रूपये दिया जायेगा। इसी प्रकार चतुर्थ स्थान पाने वाले प्रतियोगी को 2100 रूपये एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी को 1100 रूपये की धनराशि प्रदान की जायेगी।

- 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश में राज्यस्तरीय 03 प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा

आगमन : सोनभद्र-बलिया के रास्ते 20-25 जून तक आ सकता है, अभी यूपी का आसमान साफ

मानसून पूर्वांचल से एंट्री लेगा ऐसा 2 साल पहले हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में मानसून 4 से 5 दिन लेट एंट्री ले रहा है। 24-25 जून के बीच मानसूनी बारिश शुरू होने का अनुमान है। इस बार मानसून बुंदेलखंड से नहीं, बल्कि पूर्वांचल के जिलों में पहले पहुंचेगा। मानसून पिछले 2 साल से बुंदेलखंड के रास्ते आ रहा था।

17 जून को INSAT-3DS सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में उत्तर प्रदेश के आसमान पर बादल नहीं दिखे। ऐसा बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो प्रेशर एरिया नहीं बनने से हो रहा है।

मानसून आने से पहले यूपी में गर्मी के दो अलग मिजाज देखने को

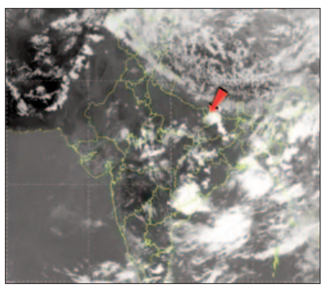

सैटेलाइट इमेज में साफ देखा जा सकता है कि मानसून यूपी-बिहार बॉर्डर तक पहुंच चुका है। फिलहाल यूपी के आसमान पर बादल नहीं हैं।

> 4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 14 दिन में 19 राज्यों तक पहुंचा। मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं कि मानसून बिहार के मुजफ्फरपुर को पार कर चुका है। यूपी की सीमा के बेहद करीब पहुंच चुका है।

मिलेंगे। तय समय पर बारिश नहीं होने से पूर्वांचल के जिलों में तापमान एक बार फिर 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। प्रयागराज, वाराणसी और बलिया जैसे जिलों के लिए अगले 3-4 दिनों तक भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, लखनऊ, कानपुर और नोएडा जैसे मध्य व पश्चिमी इलाकों में बारिश के कारण पारा भले ही 38 से 40 डिग्री के बीच रुका है, लेकिन हवा में नमी बढ़ने से चिपचिपी और पसीने वाली गर्मी अपने चरम पर है। इस स्थिति से स्थायी राहत 24 से 25 जून के बीच मानसून की पहली भारी बारिश के बाद ही मिलेगी। तब तक उमस और तपिश का यह मिला-जुला दौर लोगों को झेलना पड़ेगा।

कम बारिश की आशंका के बीच संवाददाता वाराणसी के BHU में कृषि विभाग के प्रो. पीके सिंह से बात की। वह कहते हैं, 'यूपी में कम बारिश की वजह से धान के उत्पादन में 20% तक की कमी आ सकती है।

सोनभद्र और बलिया के रास्ते होगी मानसून की एंट्री

मानसून यूपी की तरफ दो तरह से बढ़ता है। पहला- अरब सागर की तरफ से। दूसरा- बंगाल की खाड़ी से। बंगाल की खाड़ी की नम हवाएं बांग्लादेश और बिहार को पार करते हुए पूर्व दिशा से यूपी में प्रवेश करने वाली हैं।

> यूपी में मानसून आने की सामान्य तारीख 18 से 20 जून मानी जाती है। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं, '2022 से 2024 तक मानसून यूपी तक 24 से 25 जून तक ही पहुंचता आया है। ऐसा ही इस बार भी हो रहा है।'

'बेटियां बन रही हैं भविष्य की वैज्ञानिक और नवप्रवर्तक'

प्रयागराज और गाजियाबाद के कस्तूरबा विद्यालयों का हुआ चयन

जिज्ञासा से नवाचार तक बेटियों को नई उड़ान, आईआईटी गांधीनगर पहुंचेंगी उत्तर प्रदेश की बालिकाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बालिकाओं को केवल विद्यालयी शिक्षा तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि उन्हें देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिक नवाचारों और आधुनिक अधिगम के अवसरों से भी जोड़ रही है। इसी क्रम में आईआईटी गांधीनगर, गुजरात द्वारा संचालित क्यूरियोसिटी प्रोग्राम 2026-27 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन सेशन में उत्तर प्रदेश के दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का चयन किया गया है।

विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 13 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले इस

विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कौड़िहार-1, प्रयागराज तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोनी (नगर पालिका), गाजियाबाद की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में चयनित प्रत्येक विद्यालय से दो छात्राएं और एक शिक्षिका भाग लेंगी। छात्राओं को देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में सीखने और समझने का अवसर प्राप्त होगा। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को बालिका सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है। डिजिटल शिक्षण, नवाचार आधारित गतिविधियों, विज्ञान एवं गणित कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव जैसी पहलों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंच रही हैं।

कारोबारी से 13 लाख का सोना-चांदी लूटा

हरदोई में 2 बाइक से आए 4 नकाबपोश बदमाशों ने बीच चौराहे की वारदात ■ 4 पुलिस टीमें गठित

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। यूपी के हरदोई में नकाबपोश बदमाशों ने सर्राफा कारोबारी से 13 लाख का सोना–चांदी लूट लिया। कारोबारी देर शाम दुकान बंद बाइक से घर जा रहा था। बीच रास्ते में दो बाइक से आए 4 नकाबपोश बदमाशों ने रास्ता रोक लिया।

बदमाशों ने तमंचा सटाकर सोने–चांदी से भरा बैग कारोबारी से छीन लिया। व्यापारी ने विरोध करने की कोशिश की तो तमंचे की बट से मारकर सिर फाड़ दिया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सर्राफा व्यापारी ने बताया– बैग में करीब 10 तोला सोना (करीब 100 ग्राम) और ढ़ाई किलो चांदी थी। जिसकी कीमत करीब 13 लाख रुपए है। बदमाश उसका मोबाइल फोन भी छीन ले गए।

फिलहाल कारोबारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर संडीला रोड पर कासिमपुर थाना क्षेत्र की है।

ये सर्राफा कारोबारी मोहम्मद नसीम हैं, जिनसे लूट हुई।

हसनापुर गांव निवासी मोहम्मद नसीम घुघेरा चौराहे पर सारा ज्वैलर्स के नाम से सोने–चांदी की दुकान चलाते हैं। नसीम ने बताया– बुधवार शाम करीब 7:30 बजे वे दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। संडीला रोड पर कासिमपुर थाना क्षेत्र में जमुनिया बाग और रसूलपुर चौराहे के बीच पहुंचे, तभी पहले से घात लगाए बैठे बदमाश उनका पीछा करने लगे। दो बाइक से आए चार नकाबपोश बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक करके रोका। नसीम नहीं रुके तो बदमाशों ने बाइक में टक्कर मारकर सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद बदमाश तमंचा सटाकर सोने–चांदी से भरा बैग छीनने की कोशिश करने लगे। नसीम ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने सिर पर तमंचे की बट से वार कर दिया। नसीम लहूलुहान होकर गिर पड़े। इसके बाद बदमाशों ने लात–घूंसे मारे और जान से मारने की धमकी देते हुए बैग लेकर फरार हो गए। नसीम ने बताया– जाते–जाते बदमाश उनका मोबाइल फोन भी लूट ले गए। उन्होंने किसी तरह राहगीरों से मोबाइल लेकर पुलिस को सूचना दी। कासिमपुर थाना प्रभारी घनश्याम राम पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और नसीम को जिला अस्पताल पहुंचाया।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, 4 टीमें गठितः एसपी

एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया– सर्राफा कारोबारी की शिकायत पर 4 अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की 4 टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। आसपास के इलाके में नाकेबंदी कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बैग में था लाखों का माल

व्यापारी के अनुसार लूटे गए बैग में करीब 100 ग्राम सोने के आभूषण थे, जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इसके अलावा करीब 2 किलो चांदी के जेवर भी थे, जिनकी कीमत 2.20 से 2.50 लाख रुपए के बीच आंकी गई है। साथ ही एक मोबाइल फोन भी बदमाश अपने साथ ले गए। प्राथमिक अनुमान के मुताबिक कुल नुकसान करीब 13 लाख रुपए के बीच बताया जा रहा है।

फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

नौकरी छूट जाने के कारण तनाव में था, पेड़ से लटकी मिली बॉडी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कछौना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 24 वर्षीय युवक अमन सिंह ने गांव के बाहर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों और परिजनों के अनुसार, संडीला की प्लाईवुड फैक्ट्री से अचानक नौकरी छूट जाने के कारण युवक पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गुरुवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम किया गया।

अमन कछौना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छनुइयां के मजरा मसूढ़ा निवासी मदनपाल का बड़ा बेटा था। बुधवार सुबह अमन घर से निकला था। दोपहर में जब परिजन उसे भोजन के लिए तलाश रहे थे, तब उसका कोई सुराग नहीं मिला। शाम को ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक खेत में खड़े पेड़ से साड़ी के फंदे पर

अमन का शव लटका हुआ देखा।

मृतक के पिता मदनपाल ने बताया कि अमन संडीला इंडस्ट्रियल स्टेट की एक प्लाईवुड फैक्ट्री में हाइड्रा क्रेन ऑपरेटर का काम करता था। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से अमन काफी परेशान और गुमसुम था। परिजनों द्वारा पूछने पर उसने बताया था कि उसकी नौकरी छूट गई है। नौकरी जाने के बाद से वह अपने भविष्य को लेकर चिंतित और तनाव में दिखाई दे रहा था।

फास्ट न्यूज

लाखों की चोरी...

सीतापुर। सीतापुर के कमलापुर थाना क्षेत्र के खेरवा गांव में चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाते हुए नकब लगाकर लाखों रुपये के जेवर, नकदी और घरेलू सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी सुबह होने पर परिवार के लोगों को हुई, जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कमलापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, खेरवा गांव निवासी गुलाब पुत्र सुंदरलाल के घर चोरों ने सुनियोजित तरीके से बुधवार की देर रात वारदात को अंजाम दिया।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

सीतापुर । सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के भिटौरा मज़ार के पास बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, भिटौरा मज़ार के निकट दो मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं।

जीआईसी स्कूल के सामने पानी की किल्लत

रायबरेली । रायबरेली में भीषण गर्मी के बीच पीने के पानी की किल्लत से परेशान स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) के सामने मोहल्ले–वासियों ने धरना दिया। उनका कहना है कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। धरने का नेतृत्व कर रहे स्थानीय निवासी आशीष पाठक ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूरे शहर में पानी का संकट गंभीर है और आम जनता को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है।

डंपर की टक्कर से महिला की मौत

सुबह घर से निकली थीं, चार साल पहले पति ने की थी आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, क्योंकि 4 वर्ष पहले महिला के पति की भी मौत हो चुकी थी और अब उनकी दो बेटियां पूरी तरह अनाथ हो गई हैं। मामला टड़ियावां थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार जामा झाला गांव निवासी राधा देवी (40) गुरुवार सुबह किसी काम से घर से निकली थीं। मुख्य सड़क पार करते समय तेज गति से आ रहे एक डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही

मौत हो गई। ढघटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही टड़ियावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोपहर में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई।

मृतका के देवर नन्हे ने बताया कि करीब चार साल पहले राधा के पति रजनीश ने आत्महत्या कर ली थी। पति की मौत के बाद राधा मेहनत-मजदूरी कर अपनी दो बेटियों सोनम और शिवानी का पालन-पोषण कर रही थीं।

बिलग्राम पालिका पर कार्रवाई, लिपिक निलंबित

भूसा कांड में पूर्व ईओ के बाद आदर्श श्रीवास्तव निलंबित, विभागीय जांच शुरू

निलंबित

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। बिलग्राम नगर पालिका परिषद के चर्चित भूसा कांड में कार्रवाई का सिलसिला जारी है। पूर्व अधिशासी अधिकारी नीलाव शाल्या के बाद अब नगर पालिका के लिपिक आदर्श श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश में उन्हें गंभीर अनियमितताओं और तत्कालीन अधिशासी अधिकारी के संदिग्ध हस्ताक्षरों से संबंधित पत्रावलियों के मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है।

जारी आदेश के मुताबिक, यह मामला स्वच्छ सर्वेक्षण और स्वच्छता संबंधी पत्रावली की जांच के दौरान सामने आया। आरोप है कि संबंधित पत्रावली पर तत्कालीन अधिशासी अधिकारी के हस्ताक्षर संदिग्ध थे। लिपिक आदर्श श्रीवास्तव को मूल

अभिलेखों और पत्रावलियों को प्रस्तुत करने के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन उन्होंने न तो मूल पत्रावलियां उपलब्ध कराईं और न ही संतोष-जनक स्पष्टीकरण दिया।

आदेश में बताया गया है कि संबंधित फाइलें लंबे समय तक लिपिक के पास थीं। कई अवसर दिए जाने के बावजूद उन्होंने मूल अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए, केवल छायाप्रतियां उपलब्ध कराईं। इससे मामले में संदेह बढ़ गया। नगर पालिका प्रशासन का मानना है कि दस्तावेजों को छिपाने और जांच को प्रभावित करने का प्रयास किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने आदर्श श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय नगर पालिका परिषद बिलग्राम रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा, जबकि अन्य भत्तों का भुगतान जांच पूरी होने के बाद नियमों के अनुसार किया जाएगा।

इस पूरे प्रकरण की विभागीय जांच के लिए अवर अभियंता (जल) को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारी को आरोपों की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। भूसा कांड में लगातार हो रही कार्रवाई से नगर पालिका परिषद में हलचल है। जांच रिपोर्ट आने के बाद अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय हो सकती है।

तनिष्का ने जीता स्वर्ण, रूपा साईं हॉस्टल में चयनित

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की दो युवा खिलाड़ियों, तनिष्का गुप्ता और रूपा ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। तनिष्का ने महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है, जबकि रूपा का चयन हैदराबाद स्थित प्रतिष्ठित साईं (SAI) हॉस्टल के लिए हुआ है।

इन उपलब्धियों के उपलक्ष्य में गुरुवार को जेके पब्लिक स्कूल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। स्कूल के प्रबंध निदेशक और हॉकी हरदोई संघ के उपाध्यक्ष राजीव मोहन अवस्थी ने दोनों खिलाड़ियों को पटका पहनाकर, ₹2100 की प्रोत्साहन राशि और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रक्रिया का विरोध

वेंडरों का अनिश्चितकालीन प्रदर्शनः दस्तावेज लेखक, स्टाम्प वेंडरों ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में प्रस्तावित ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रक्रिया को लेकर दस्तावेज लेखक, बैनामा लेखक और स्टाम्प वेंडरों में चिंता बढ़ गई है। इसी क्रम में गुरुवार को उप निबंधक कार्यालय सदर तहसील से जुड़े दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प वेंडरों ने ताला बंद हड़ताल कर करते हुए अनिश्चित-कालीन विरोध प्रदर्शन कर चले गए है।

सैकड़ों वेंडरों ने प्रदर्शन करते हुए अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सीतापुर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और ऑनलाइन प्रक्रिया लागू करने से पहले उनके हितों पर विचार करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे वेंडरों ने बताया कि उप निबंधक कार्यालय सदर तहसील में कार्यरत बैनामा लेखक, दस्तावेज नवीनवीस और स्टाम्प वेंडर वर्षों से रजिस्ट्री संबंधी कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि वे प्रतिदिन अपने श्रम और अनुभव के आधार पर सीमित आय अर्जित कर परिवार की आजीविका चलाते हैं।

प्रदर्शकारियों ने बताया कि उन्हें विभिन्न समाचार माध्यमों के जरिए जानकारी मिली है कि रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकांश अंतरण संबंधी कार्यों को पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया से संचालित किए जाने की तैयारी की जा रही है। दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प वेंडरों का कहना है कि यदि बैनामा और रजिस्ट्री से जुड़े कार्य पूर्ण रूप से ऑनलाइन हो गए तो उनका रोजगार

प्रभावित होगा और उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

प्रदर्शकारियों ने कहा कि इस व्यवस्था से केवल दस्तावेज लेखक और स्टाम्प वेंडर ही नहीं, बल्कि उनसे जुड़े अन्य लोगों की आजीविका भी प्रभावित होगी। उन्होंने आशंका जताई कि रोजगार समाप्त होने की स्थिति में कई परिवारों के सामने भुखमरी जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रदर्शकारियों ने प्रशासन से मांग की कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने से पहले उनके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे उनके रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज लेखक और स्टाम्प वेंडर मौजूद रहे तथा उन्होंने प्रशासन से सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

नैमिषारण्य में भीषण आग, तीन दुकानें जलीं

रेडी पटरी दुकानदारो का लाखों का सामान खाक

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। की तीर्थनगरी नैमिषारण्य में गुरुवार सुबह तड़के करीब तीन बजे भीषण आग लगने से तीन अस्थाई दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। आग की इस घटना में लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार, ललिता देवी मंदिर से चक्र रोड मार्ग पर बनी अस्थाई दुकानों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास की तीन दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

आग से सरोज पुत्र तुलसीदास की परचून की लकड़ी का खोखा,

कौशल पुत्र तुलसीदास की चूड़ी-कंगन की दुकान तथा अतीश सैनी पुत्र शिवराम की बर्तन एवं अन्य घरेलू सामान की दुकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई।

दुकानदारों ने बताया कि दुकानों में पूजा सामग्री, चूड़ी-कंगन, रेडीमेड सामान, बर्तन और अन्य व्यापारिक सामग्री रखी हुई थी, जो आग में जलकर खाक हो गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि स्थानीय लोगों के प्रयास भी बेअसर साबित हुए और कुछ ही मिनटों में तीनों दुकानें राख के ढेर में तब्दील हो गईं।

अफेयर : भाई को मार डाला

सोते समय नाक-कान काटे ■ बोला- मैं उसे साथ रखना चाहता था

हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में चचेरे भाई ने बांके से काटकर चौकीदार की हत्या कर दी। उसे पहले गला काटा, फिर नाक-कान काट दिए। चेहरे पर भी बांके से कई वार किए। भाई के चौकीदार की पत्नी से अवैध संबंध थे। चौकीदार उसके रास्ते में रुकावट बन रहा था। पुलिस ने मामले का 72 घंटों में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

15 जून (सोमवार) की रात के अंधेरे में हमलावर पहुंचा। उसने चारपाई पर सो रहे बिंदा प्रसाद पर धारदार हथियार से कई वार कर दिए। हमले में बिंदा की मौके पर ही मौत हो गई। 16 जून की सुबह जब गांववाले खेतों की ओर निकले, तो चारपाई पर खून से लथपथ शव पड़ा देखा।

सूचना पर फोरेंसिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वारदात बछरावां थाना क्षेत्र की है।

जिला मुख्यालय से करीब 29 किलोमीटर दूर ठकुराइन खेड़ा गांव है। यहां बिंदा प्रसाद (45) पत्नी और 2 बच्चों के साथ रहते थे। वह जल जीवन मिशन के तहत बन रही पानी टंकी में चौकीदार की नौकरी कर रहे थे। सोमवार रात खाना खाने के बाद वह रोज की तरह टंकी परिसर में चारपाई पर सोने चले गए थे। तभी चचेरा भाई राजकिशोर वहां पहुंचा और बांके से बिंदा को काट डाला। राजकिशोर का बिंदा की पत्नी से करीब 3 साल से अवैध संबंध चल रहा था। इस बात का पता चलने पर बिंदा ने दोनों को डांटा था। इसके बाद से राजकिशोर बदला लेने की फिराक में था।

जांच के दौरान पुलिस ने बिंदा और उसके घरवालों के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल खंगाली। इससे मिले सुरागों और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पुलिस की जांच बिंदा के चचेरे भाई राजकिशोर तक पहुंची। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर राजकिशोर ने हत्या की पूरी साजिश और वारदात कबूल कर ली।

पूछताछ में राजकिशोर ने बताया- मेरा बिंदा की पत्नी के साथ पिछले करीब 3 सालों से अफेयर था। वह 2 बच्चों की मां है। मैं उसे अपने साथ रखना चाहता था, लेकिन भाभी इसके लिए तैयार नहीं थी। मुझे लगता था कि मेरे और भाभी के बीच भाई बिंदा प्रसाद सबसे बड़ी बाधा है।

महापुरुषों के चित्र वाले गेट ढके गए सरकार ने बहुजन समाज की पगड़ी उछालने का काम किया

सांसद चंद्रशेखर ने भाजपा पर साधा निशाना

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । सीतापुर में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद बृहस्पतिवार को रामपुर मथुरा ब्लॉक की मझिगवां ग्राम पंचायत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गांव में बनाए गए संविधान पार्क और उस पर प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर प्रदेश सरकार तथा स्थानीय प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि गांव के प्रधान ने उन्हें बताया था कि संविधान पार्क का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके प्रवेश द्वार पर बहुजन महापुरुषों के 24 चित्र लगाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी बात से

भाजपा सरकार को आपत्ति हुई और प्रशासन ने गेट को ढकवा दिया और महापुरुषों के चित्रों को भी ढक दिया।

उन्होंने कहा कि जब उन्होंने क्षेत्र का दौरा किया तो रास्ते में कई स्थानों पर गेट बने हुए दिखाई दिए। सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि क्या उन सभी मामलों में नियमों का पालन किया गया था। उनका आरोप था कि सरकार बहुजन महापुरुषों के सम्मान को दबाने और उनके योगदान को कमतर दिखाने का प्रयास कर रही है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि महापुरुषों का अपमान करने वाली सरकार को जनता जवाब देगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि संविधान पार्क के गेट को नुकसान पहुंचाया गया तो इसकी जवाबदेही तय होगी। उन्होंने कहा

कि उद्घाटन चाहे जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, आईजी या डीआईजी करें, लेकिन महापुरुषों के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा।

सांसद ने यह भी कहा कि ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, लेकिन झूठे मुकदमों से डरने वाले लोग नहीं हैं। उन्होंने समर्थकों से शांतिपूर्ण ढंग से लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखने की अपील की। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि अभी अगर इस गेट का उद्घाटन करने के लिए किसी भाजपा नेता या उपमुख्यमंत्री को बुला लेते तो किसी को आपत्ति नहीं होती लेकिन बहुजन समाज के बेटे चंद्रशेखर के आकर उद्घाटन करने से सरकार को दिक्कत हुई है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

सम्पादकीय

संकट में क्षेत्रीय दल

तृणमूल कांग्रेस के बाद शिवसेना-उद्धव गुट के नौ में से छह लोकसभा सदस्यों की ओर से शिवसेना-शिंदे में शामिल होने की तैयारी केवल यही नहीं बताती कि वे सत्तापक्ष के साथ जाने को आतुर हैं, बल्कि यह भी रेखांकित करती है कि भारतीय राजनीति में मौकापरस्ती बढ़ती जा रही है। शिवसेना में यह दूसरी टूट है। इसके पहले भी उसके विधायक एवं सांसद टूट चुके हैं और पार्टी अपना चुनाव चिह्न भी गंवा चुकी है। उसके लिए इस एक और झटके से उबर पाना कठिन होगा। अब उसके सामने अपना अस्तित्व बचाने का संकट है। अपने इस संकट और बिखराव के लिए वही अधिक जिम्मेदार है। यदि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने के लालच में धुर विरोधी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हाथ नहीं मिलाते तो शायद आज उनके दल की स्थिति कुछ और होती।

उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लिए अपनी पुरानी साझीदार और वैचारिक रूप से करीबी भाजपा से केवल नाता ही नहीं तोड़ा, बल्कि इसी के साथ अपनी विचारधारा को भी ताख पर रख दिया। शिवसेना उन कुछ क्षेत्रीय दलों में से थी, जिसकी अपनी एक विचारधारा थी। वह मूलतः अपनी विचारधारा से भटकने के कारण ही बिखरी। तृणमूल कांग्रेस की तो कोई विचारधारा ही नहीं थी। केवल सत्ता पाना और उसमें येन-केन-प्रकारेण बने रहना ही उसकी राजनीति का केंद्र बिंदु था। यह केंद्र बिंदु हटते यानी सत्ता जाते ही वह बिखर गई। क्षेत्रीय दलों की समस्या केवल यही नहीं कि उनमें से कुछ की ही विचारधारा है। एक समस्या यह भी है कि वे अलोकतांत्रिक तरीके और किसी निजी कंपनी की तरह चलते हैं। ऐसे दलों में पार्टी प्रमुख या परिवार विशेष ही सब कुछ होता है।

उसके आगे किसी की नहीं चलती। लोकतंत्र में अधिनायकवादी तरीके से चलने वाले दलों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, लेकिन अपने देश की राजनीति का दुर्भाग्य यह है कि अनेक दल इसी तरह चलते हैं। प्रायः यही उनके बिखराव का कारण बनता है। क्षेत्रीय दलों में बिखराव का संकट इसलिए और बढ़ गया है, क्योंकि उनके जनप्रतिनिधियों के लिए राजनीति का मतलब अवसरवाद हो गया है। वे कभी भी दल बदल लेते हैं। ज्यादातर मौकों पर पद या पैसे के लालच अथवा अन्य किसी राजनीतिक लाभ के लिए दलबदल किया जाता है। किसी के दल बदलने में हर्ज नहीं, लेकिन ऐसा करने के पहले यह आवश्यक है कि वे विधायक या सांसद पद से त्यागपत्र दें। ऐसा न करना जनादेश का निरादर है। लगभग सभी राजनीतिक दल समय-समय पर दलबदल को बढ़ावा देते रहे हैं। दलबदल रोधी कानून के बावजूद विधायकों-सांसदों के टूट का सिलसिला कायम है। हालांकि इस कानून को कठोर बनाया जा चुका है, लेकिन वह भी प्रभावी सिद्ध नहीं हो रहा है, क्योंकि अब दलबदल को हेय दृष्टि से नहीं देखा जाता।

जी-7 की सदस्यता से भारत महरूम क्यों?

> जी-शिखर सम्मेलन कहने को तो दुनिया के 7 सबसे विकसित और ताकतवर लोकतांत्रिक देशों का एक अनौपचारिक मंच है जिसमें विश्व की अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर मंथन और सुधारक निर्णय लेना होता है लेकिन जो देश इस बैठक में प्रतिभाग की मुकम्मल हैसियत रखते हैं उसे दूर रखते हैं आखिर क्यों? जी-7 समिट यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन'।

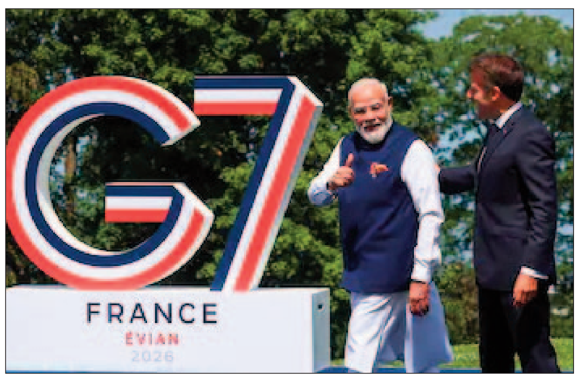

फ्रांस के 'एवियन लेस बैंस' में आयोजित हुए तीन दिनी 'जी-7 समिट' का 52 वां संस्करण संपन्न हुआ। समिट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे लेकिन सदस्य देश बनकर नहीं बल्कि मात्र एक मेहमान के तौर पर? वह भी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर। कितना हास्यास्पद लगता है ये सब। जहां कुछेक करोड़ जनसंख्या वाले देश जी-7 के सदस्य हों और विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला मुल्क गैर-सदस्य बनकर पहुंचता हो? भारत को सदस्य बनाने में अड़चन क्या हैं। रोड़ा कौन अटका रहा है और सदस्यहीनता का सूखा कब होगा खत्म? इसका इंतजार भारतवासी दशकों से कर रहे हैं।

भारत के अलावा 7 और गैर-सदस्य देशों को बुलाया गया। क्या उन देशों को सिर्फ ताली बजवाने और फोटो सेशन करवाने के लिए आमंत्रित किया गया। शिखर के दौरान महत्वपूर्ण बैठकों, करार, समझौतों और वैश्विक स्तरीय मंथनों से भी दूर रखा। जबकि, इन सभी बैठकों में भारत प्रतिभाग की हैसियत रखता है। पिछले करीब दो दशकों के भारत के भरसक प्रयासों के बावजूद भी सदस्य नामित नहीं किया गया जबकि, जी-7 में ऐसे सदस्य देश हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मुकाबले कहीं नहीं टिकते।

सवाल उठता है। जी-7 समिट में भारत कब तक 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनता रहेगा'? जिस देश का लोकतंत्र सबसे विशाल हो, पुराना हो और जनसंख्या के लिहाज से करीब 140 से 145 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता हो, उस देश को ऐसे वैश्विक मंचों से दूर रखना और महत्वपूर्ण बैठकों से अलग रखने का मतलब है, भारत की समूची जमात का अपमान करना। इसलिए बिना देर किए भारत को जी-7 में शामिल करना चाहिए। बार-बार भारत को जी-7 के आयोजन में मात्र मेहमान के तौर बुलाना किसी के गले नहीं उतरता। ऐसा एक बार से नहीं, पिछले 13 बार से लगातार किया जा रहा है। जी-7 2026 से पूर्व भी प्रधानमंत्री 7 मर्तबा गेस्ट के ही तौर पर भाग लेते रहे। पिछले 6 शिखर सम्मेलनों में पूर्ववर्ती भारतीय प्रधानमंत्री भी मेहमान बनकर पहुंचे। ये सिलसिला अब थमना चाहिए। भारतवासी लंबे समय से यही सोच रहे हैं कि काश वह वक्त कब आएगा जब हमारा देश भी 'जी-7 समिट' में पारंपरिक और अधिकारिक सदस्य बनकर आयोजन में आमद करेगा। भारत को 'स्थाई सदस्य' क्यों नहीं चुना जाता है ये सवाल दिनों दिन बड़ा होता जा रहा है।

वह मुल्क जिनकी 'इकोनॉमी' लगातार ग्रोथ में हो और विश्व पटल पर तगड़ी हैसियत रखते हों? तो क्या संसार भारत को ऐसा नहीं मानता। क्या बढ़ती अर्थव्यवस्था में भारत शामिल नहीं है। बिल्कुल है जबकि, तेजी से बढ़ती इकनॉमिक को लेकर भारत बीते कुछ वर्षों से विश्व में अपना डंका बजा रहा है। क्या भारत इटली, कनाडा और जर्मनी से पीछे हैं? उत्तर कतई नहीं? जब ये मध्यम देश इस महत्वपूर्ण समिट का हिस्सा बन सकते हैं तो भारत क्यों नहीं? जी-7 में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं इसमें भारत को भी जोड़ा जाए, इसके लिए फ्रांस भी पक्षधर है। लेकिन एक देश की दादागिरी के चलते मुमकिन नहीं हो पा रहा। वो है अमेरिका। उसे इस बात की चिड़ है अगर भारत जी-7 में भी घुस गया तो उसकी अहमियत कम हो जाएगी। गौरतलब है साल-1975 में जब इस समिट की शुरूआत हुई, तब कुल 6 ही देश शामिल थे। 1976 में कनाडा के रूप में एक और मुल्क जुड़ा। उसके बाद जी-7 हुआ। वहीं वर्ष-1998 में रूस को शामिल करके सदस्य देशों की संख्या इजाफा करके आंकड़ा 8 तक पहुंचाया गया। तब, जी-8 हुआ। लेकिन रूस-यूक्रेन लड़ाई छिड़ने के बाद रूस को सस्पेंड कर दिया गया। तब, उसकी जगह भारत को शामिल किया जा सकता था। लेकिन अमेरिकी विरोध के चलते संभव नहीं हो सका। किसी भी वैश्विक मंच पर भारत की धमक बढ़े, उसे अमेरिका बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। इसके पीछे सीधा-सीधा कारण यही है, अमेरिका जानता है अगर भविष्य में उनकी अर्थव्यवस्था से कोई देश मुकाबला कर सकता है तो वह भारत ही होगा। इसलिए भारत को प्रत्येक मंचों पर कमतर आंकना, अमेरिका की आदत में शुमार हो गया है।

भारत की पुरजोर मांग है कि उसे जी-7 में शामिल किया जाए। ऐसा प्रस्ताव इस बार हुआ। भारत न सिर्फ सदस्य की हैसियत रखता है बल्कि भविष्य में इस आयोजन की मेजबानी भी चाहता है। भारत सदैव संवाद, सहयोग और वैश्विक कल्याण की भावना का पक्षधर रहा है। ऐसे मंचों से भारत को दूर रखने का मतलब है, दुनिया को दूरदर्शी और मार्ग दर्शकीय विचारों से काटना। दुनिया जानती है कि नया भारत अब विश्व पटल पर विश्वास, समावेशिता और साक्षी प्रगति का सशक्त स्वर बनकर उभर चुका है। संसार में व्याप्त ना-ना प्रकार की वैश्विक चुनौतियां बिना भारत के दूर नहीं की जा सकतीं। जनकल्याण का स्वर्णिम अध्याय आज भारत लिख रहा है। जी-7 शिखर सम्मेलन का मुख्य मकसद संवाद, समाधान और विकास होता है और इस तीनों मंत्रों का अव्वल उपदेशक अब भारत है।

डॉ.रमेश ठाकुर

देश के भीतर पढ़े...

सरदूल सिंह

पूंजीवाद का वैश्विक संकट और रोजगार की गारंटी का सवाल

वर्तमान में कोई भी भर्ती प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी नहीं हो पा रही है। कभी पेपर लीक की घटनाएं, कभी परीक्षाओं का बार-बार टलना, तो कभी स्थाई नौकरियों की जगह संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) और अस्थाई तौर पर भर्ती करना आम हो चुका है।

आज बेरोजगारी केवल हमारे देश की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बन चुकी है। वर्तमान आर्थिक नीतियों और पूंजीवादी व्यवस्था के चरित्र को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि पूंजीवाद कभी भी बेरोजगारी को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकता बल्कि वह रिजर्व लेबर (आरक्षित श्रम) को बनाए रखकर ही अपनी वृद्धि सुनिश्चित करता है। बेरोजगारी का यही डर श्रमिकों और कर्मचारियों को कम वेतन व विपरीत परिस्थितियों में भी काम करने के लिए मजबूर करता है।

विदेशों में पलायन और सुखविहीन जीवन

भारत में रोजगार के उचित अवसर न मिलने के कारण देश का योग्य युवा वर्ग आज बड़े पैमाने पर विदेशों की ओर पलायन कर रहा है। लेकिन वैश्वीकरण के इस दौर में पूंजीवाद का प्रसार पूरी दुनिया में हो चुका है, जिसके कारण विदेशों में भी स्थितियां बहुत अनुकूल नहीं रह गई हैं। वहां भी युवा लंबी-लंबी शिफ्टों, भारी-भरकम कर्ज, अंतहीन किश्तों के बोझ और मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। यह बात आज आम हो चुकी है कि विदेशों में भौतिक सुविधाएं तो

हैं, लेकिन स्वयं के लिए और परिवार के लिए 'फ्री टाइम' (निजी समय) पूरी तरह गायब है। सुख और सुकून की तलाश में गए युवा वहां भी एक मशीनी जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

देश के भीतर पढ़े-लिखे और योग्यताधारी युवाओं के सामने 'आधुनिक प्रोलेटेरिएट' (शिक्षित सर्वहारा) बनने का संकट खड़ा हो गया है। स्थिति कितनी भयावह है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी राज्य में चतुर्थ श्रेणी या सहायक कर्मचारी के कुछ सौ पदों के लिए लाखों आवेदन आते हैं, जिनमें एम.फिल, पीएचडी और आईआईटी जैसी उच्च योग्यता रखने वाले युवा शामिल होते हैं। यह स्थिति देश के विकास के तमाम दावों की पोल खोल देती है।

युवाओं को न्यूनतम वेतन से भी कम पर काम करने के लिए विवश किया जा रहा है। भर्ती परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यातायात के साधनों बसों और रेलों का भी कोई प्रबंध नहीं होता। एक सोची-समझी रणनीति के तहत शिक्षा को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में स्वीकृत पदों को जानबूझकर खाली रखा जा रहा है ताकि लोग मजबूर होकर महंगे निजी शिक्षण संस्थानों का रुख करें। महंगी पढ़ाई पूरी करने के बाद भी जब युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता तो समाज में असंतोष, हताशा और एक बड़ा सामाजिक-राजनीतिक संकट जन्म लेता है। इन तमाम अस्थाई और तात्कालिक उपायों से इस संकट को दूर नहीं किया जा सकता। इसका एकमात्र स्थायी समाधान यह है कि देश के प्रत्येक युवा को 'योग्यता के अनुसार काम और काम के अनुसार दाम' के सिद्धांत पर रोजगार मिले। इसके लिए भारत की संसद में भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (बनेगा) पारित किया जाना चाहिए। जब तक सरकार किसी युवा को रोजगार देने में असमर्थ रहती है, तब तक उसे इस निर्धारित राशि का आधा हिस्सा 'रोजगार प्रतीक्षा भत्ता' के रूप में अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए ताकि वह किसी पर निर्भर ना रहे अपना जीवन यापन आत्मनिर्भर रूप से कर सके। आज एक तरफ बेरोजगारी का आलम है कि काम करने वाले करोड़ों योग्यता धारी नौजवान बेरोजगार बैठे हैं, दूसरी तरफ काम में लगे हुए लोगों से उन्नत तकनीक आने के बावजूद 12 से 15 घंटे काम करवाया जा रहा है। नए श्रम कानून के अंतर्गत काम के दिन को 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे तक विस्तारित कर दिया गया है। इसलिए काम में लगे हुए लोगों को राहत तथा सबको रोजगार देने के लिए उन्नत तकनीक के अनुसार कार्यस्थल पर काम कर रहे लोगों के लिए दैनिक काम के दिन को कानूनी रूप से (कार्य के घंटों को) 8 घंटे से घटाकर 6 घंटे या उससे कम किया जाना चाहिए।

लोकतंत्र में ...

सौरभ वार्ष्णेय

सांसदों का लगातार दल बदलना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही नहीं

सांसदों का लगातार दल बदलना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं माना जा सकता। मतदाता किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि अक्सर पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को ध्यान में रखकर वोट देता है। इसलिए जनादेश का सम्मान करते हुए राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों दोनों को अपने आचरण में अधिक जवाबदेही दिखानी होगी। यही लोकतांत्रिक मर्यादा की मांग है। भारतीय राजनीति में दल-बदल और राजनीतिक पुनर्संरेखण कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी दल के सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोडने लगें तो यह केवल संगठनात्मक संकट नहीं बल्कि नेतृत्व और राजनीतिक दिशा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद उसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सांसदों के विद्रोह और अब शिवसेना (उद्धव गुट) के कई सांसदों के संभावित पलायन की खबरों ने विपक्षी राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पहले ही 2022 के विभाजन के बाद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। अब ऑपरेशन टाइगर के तहत सात सांसदों के शिंदे गुट में जाने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व इन खबरों का खंडन कर रहा है लेकिन जिस प्रकार उद्धव ठाकरे को अपने सांसदों और विधायकों की बैठक बुलानी पड़ी, उससे संकट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरी ओर, टीएमसी में भी बड़ी टूट की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के अनुसार

पार्टी के कई सांसदों ने अलग राजनीतिक रास्ता चुनने की कोशिश की है जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती मिली है। इन घटनाओं के राजनीतिक मायने दूरगामी हैं। पहला, यह विपक्षी दलों में नेतृत्व के प्रति बढ़ती असंतुष्टि को दर्शाता है। दूसरा, इससे सत्तापक्ष की राजनीतिक शक्ति और मजबूत हो सकती है क्योंकि विपक्ष का संख्याबल और मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं। तीसरा, इससे मतदाताओं के बीच यह संदेश जाता है कि कई क्षेत्रीय दल वैचारिक प्रतिबद्धता की बजाय राजनीतिक अवसरवाद के दौर से गुजर रहे हैं।

लोकतंत्र में दल-बदल विरोधी कानून मौजूद है लेकिन राजनीतिक दल अक्सर उसके कानूनी प्रावधानों के भीतर रहकर नए समीकरण बना लेते हैं। यही कारण है कि सांसदों और विधायकों के समूहगत स्थानांतरण का सिलसिला रुकता नहीं दिखता। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह केवल कुछ नेताओं की महत्वाकांक्षा का परिणाम है या फिर विपक्षी दलों के भीतर गहरे संगठनात्मक संकट का संकेत? यदि टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियां अपने जनप्रतिनिधियों को साथ रखने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, तो उन्हें आत्ममंथन करना होगा।

संतों ग्रथों से ज्ञान प्राप्ति हों

स्वाति नक्षत्र कि बून्द केले के पत्ते पर गिरी वह कपूर बन उड़ गई। एक बून्द गिरी सर्पराज के मुंह पर तो वह विष बनी और कितनें लोगों की जान ली । वह अन्य सीप के मुंह में गिरी जो मोती बनी और गले का हार बन गई।अतः हमारी जैसी कार्य के करने के प्रति नियति होंगी वैसा ही संगति से उसका रंग और फल हमको मिलेगा । हमारे जीवन में ज्ञान प्रकाश करने वाला होता हैं इसलिए व्यक्ति को जितना संभव हो सकें ज्ञान प्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । इच्छा हमारी एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है जबकि तृष्णा एक तरह से मानसिक रोगग्रस्त वृत्ति है । मनुष्य की इच्छा आत्मा की अभिव्यक्ति है जबकि तृष्णा अहंकारग्रस्त क्षुधा की प्रवृत्ति है । वह इच्छा यदि न हो पूरी तो भी मनः में अशांति नहीं होती हैं परंतु अतृप्त तृष्णा मन में बेचैनी की क्रांति मचा देती है । इच्छा साधारणतया आवश्यकताओं की ही होती है पर तृष्णा भूख और-और की जगाती रहती है । वह जब तृष्णा की प्रवृत्ति घटती है तब बिना प्रयत्न ही जीवन की गुणवत्ता बढ़ती है। अतः उचित है कि हम तृष्णा के जाल में आए नहीं । वह उचित इच्छाओं से घबराएं नहीं। वह इस भेद-रेखा को हम सही-सही पहचानें। ज्ञान के दो प्रकार हो सकतें हैं । एक लौकिक विद्याओं का ज्ञान और दूसरा आध्यात्मिक विद्या का ज्ञान हैं । लौकिक विद्याओं के ज्ञान में शिल्प कला, भूगोल, खगोल, तकनीकी ज्ञान, नृत्य कला आदि और अध्यात्म विद्या के ज्ञान से आत्मा , परमात्मा, पाप-पुण्य, पुनर्जन्म आदि - आदि की जानकारी होती हैं । गुरुदेव श्री तुलसी ने कहा कि जैन धर्म व अन्य धर्म के बुनियादी भेद हैं । वह जैन धर्म की अपनी कुछ मौलिक विशेषताएं हैं, जो उसे अन्य धर्मों से अलग करती है । उन्हें इस रूप में भी निरूपित किया जा सकता है कि आत्मा का स्वतंत्र अस्तित्व और कर्तृत्व हैं । सृष्टि के निर्माता और संचालक के रूप में किसी एक शक्ति का अस्वीकार किया हैं । वह ईश्वर के रूप में मान्य किसी एक शक्ति का अस्वीकार किया हैं । वह मुक्त आत्मा के पुनः संसार में अवतरण का अस्वीकार किया हैं । अनेकांतवाद को माना गया हैं । जातिवाद, वर्णवाद आदि की अतात्त्विकता है ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

उत्तर प्रदेश सरकार...

-प्रवीण मालवीय

प्रदेश सरकार के हरित परिवहन विजन से प्रदेश के 18 शहरों में दौड़ेंगी आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें

उत्तर प्रदेश आज विकास, सुशासन और आधुनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार ऐसे निर्णय ले रही है जो आम नागरिकों के जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हैं। इसी क्रम में प्रदेश मंत्रिपरिषद द्वारा 18 शहरों में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (ळब्ब्) मॉडल पर वातानुकूलित इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन को मंजूरी देना एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय है। यह कदम न केवल शहरी परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाएगा बल्कि उत्तर प्रदेश को हरित और सतत विकास की दिशा में भी मजबूती प्रदान करेगा। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में तेजी से शहरीकरण हुआ है। नए औद्योगिक केंद्रों, व्यापारिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के कारण शहरों में सार्वजनिक परिवहन की मांग लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस आवश्यकता को समय रहते समझा और एक ऐसी परिवहन व्यवस्था विकसित करने का संकल्प लिया जो सुरक्षित, सुलभ, आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल हो। इसी सोच का परिणाम है कि प्रदेश के 18 प्रमुख शहरों में बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृत योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी तथा नोएडा (जेवर सहित) में कुल 1725 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की व्यवस्था की जाएगी। इनमें से 743 बसें पहले से संचालित हो रही हैं, जबकि अतिरिक्त बसों को

चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा। साथ ही 500 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन विश्व बैंक सहायता प्राप्त यूपीकैम्पा मॉडल के अंतर्गत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का मानना है कि विकास का अर्थ केवल सड़कों और भवनों का निर्माण नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण करना है जो नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएं। इलेक्ट्रिक बसों का यह नेटवर्क इसी सोच का उदाहरण है। इन बसों के माध्यम से लाखों यात्रियों को वातानुकूलित, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों और दैनिक यात्रियों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। यह योजना केवल परिवहन क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। आज विश्व जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भविष्य की आवश्यकता बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश को पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता कम होगी, जिससे वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटेगा और प्रदेश का कार्बन फुटप्रिंट कम करने में मदद मिलेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ''ग्रीन इंडिया'' और ''नेट जीरो उत्सर्जन'' के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती है। योगी सरकार ने पहले भी सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब इलेक्ट्रिक सिटी बसों का यह व्यापक नेटवर्क उस दिशा में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (ळब्ब्) मॉडल पर लागू किया जाएगा। इस मॉडल के अंतर्गत बसों की खरीद, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निजी ऑपरेटरों की होगी, जबकि सरकार और नगरीय परिवहन संस्थाएं सेवा की गुणवत्ता, संचालन मानकों और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करेंगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा तथा आधुनिक तकनीक और पेशेवर प्रबंधन का लाभ भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार रोजगार सृजन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इलेक्ट्रिक बसों की इस महत्वाकांक्षी योजना से लगभग 10,500 प्रत्यक्ष तथा 35,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। बस संचालन, तकनीकी रखरखाव, चार्जिंग स्टेशन प्रबंधन, ड्राइविंग, सुरक्षा सेवाओं और अन्य सहायक गतिविधियों में हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस प्रकार यह योजना परिवहन सुधार के साथ-साथ आर्थिक विकास और रोजगार संवर्धन का भी माध्यम बनेगी। प्रदेश सरकार ने अगले पांच वर्षों में कुल 6650 इलेक्ट्रिक बसों को चरणबद्ध रूप से संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क वाले राज्यों में शामिल करेगा। इससे प्रदेश के शहरों में यातायात व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनेगी। निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और नागरिकों को कम खर्च में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में एक्सप्रेस-वे, मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, रैपिड रेल, रोपवे और स्मार्ट सिटी जैसी अनेक आधुनिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

मजार हटने पर माला लेकर पहुंचीं महिलाएं

आगरा डीएम और डीसीपी को भेंट किया ■ 3 और मस्जिद-मजार हटाने की मांग

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कॉलेज के सामने से मजार हटने पर अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता गुरुवार को 51 किलो की फूल माला लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। DM और DCP सिटी को माला भेंट कर बधाई दी।

साथ ही NH-509 की मस्जिद समेत 3 और अवैध मजार-मस्जिद हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दी कि मांग पूरी न हुई तो सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

जिला अध्यक्ष मीरा राठौर, नीतू ठाकुर, संगीता और आरती राजपूत ने DM को 51 किलो की माला भेंट कर बधाई दी। महासभा ने कहा कि प्रशासन ने CM योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अखिल भारत हिंदू महासभा इसकी भूरी-भूरी प्रशंसा करती है और हर फैसले में प्रशासन के साथ खड़ी है।

DM को सौंपे ज्ञापन में महासभा ने कहा कि शासन का स्पष्ट निर्देश है कि मुख्य सड़क और हाईवे पर धर्म के नाम पर बने अवैध धार्मिक स्थलों को तुरंत हटाया जाए। ज्ञापन में तीन जगहों का विशेष रूप से जिक्र किया गया। पहला, NH-509 आगरा-हाथरस रोड पर टेढ़ी बगिया चौराहे के बीचों-बीच बनी अवैध मस्जिद।

आरोप लगाया कि मस्जिद कमेटी इसके नीचे दुकानें बनाकर किराया वसूल रही है, जो गलत है। दूसरा, MG रोड धाकरान चौराहे पर सड़क के बीच जगह घेरकर बनी मजार से आवागमन में परेशानी हो रही है। तीसरा, ताजगंज फेस-2 में बनी मदिना मस्जिद का जिक्र किया गया।

ज्ञापन में मांग की गई कि प्रशासन इन तीनों जगहों का तुरंत संज्ञान ले। मुख्य मार्ग और नेशनल हाईवे को मस्जिद-मजारों से अतिक्रमण मुक्त कराया जाए ताकि ट्रैफिक और आम जनमानस को परेशानी न हो। महासभा ने उम्मीद जताई कि DM के नेतृत्व में आगरा लैंड जिहाद मुक्त होगा।

■ अवैध धार्मिक स्थलों को तुरंत हटाया जाने की मांग

■ 3 मस्जिद-मजार हटाने की मांग को लेकर ज्ञापन हिंदू महासभा ने दिया

वरिष्ठ नेता मनीष पंडित, नितेश भारद्वाज और हिंदू नेता बाबू भाई ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी। उन्होंने कहा, "हमने आज ज्ञापन दिया है। अगर जल्दी ही ज्ञापन में दर्ज मस्जिद-मजारों को नहीं हटाया गया तो हिंदू महासभा सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेगी। प्रशासन समय रहते कार्रवाई करे।"

प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में मनीष पंडित, मीरा राठौर, बाबू भाई, नितेश भारद्वाज, अवतार सिंह और मधु सक्सेना समेत कई कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग उठाई।

नाले में मिला युवक का शव

शरीर पर चोट के निशान, हत्या कर फेंकने की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में बुधवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव नाले में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-प्रथम स्थित चार सैय्यद के पास नाले में शव उतराता देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही थाना एत्माद्दौला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाया। काफी प्रयास के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह लोगों की नजर नाले में पड़े एक शव पर पड़ी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की और शव को कब्जे में ले लिया।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को मृतक के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए हैं। हालांकि ये चोटें कैसे लगीं,

■ स्थानीय लोगों ने नाले में देखा शव

■ शरीर पर मिले चोट के निशान

इसका स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र अधेड़ प्रतीत हो रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मौके की परिस्थितियों और शव की हालत को देखते हुए पुलिस हत्या की आशंका भी जता रही है। आशंका है कि किसी अन्य स्थान पर हत्या करने के बाद शव को नाले में फेंका गया हो।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में वोटर लिस्ट से नाम कटे

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान कई ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। इन शिकायतों के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, नियामतपुर ग्राम पंचायत में लगभग 170 मतदाताओं के नाम सूची से काटे जाने की बात सामने आई है। इसी तरह, खेमीपुर ग्राम पंचायत में भी सैकड़ों नाम मतदाता सूची में नहीं मिलने की शिकायतें दर्ज की गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना या जानकारी के सूची से हटा दिया गया है।

रायबरेली में रेलवे ट्रैक पर फंसा ट्रैक्टर

रायबरेली। रायबरेली के भदोखर थाना क्षेत्र स्थित मुंशीगंज रेलवे क्रॉसिंग 23 सी पर गुरुवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। फाटक बंद होने के दौरान एक ट्रैक्टर अचानक रेलवे ट्रैक के बीच फंस गया था। इसी समय नौचंडी एक्सप्रेस वहां से गुजरने वाली थी। जानकारी के अनुसार, ट्रेन आने की सूचना पर मुंशीगंज रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद किया जा रहा था। इसी बीच एक ट्रैक्टर चालक ने जबरदस्ती वाहन निकालने का प्रयास किया, जिससे ट्रैक्टर पटरियों के बीच में ही फंस गया। ट्रैक्टर को फंसा देख वहां अफरा-तफरी मच गई। गेटमैन राजेश कुमार यादव ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत लाल झंडी दिखाकर आने वाली ट्रेन को रुकने का संकेत दिया।

आगरा कैंट में युवक की हत्या

आगरा। आगरा कैंट में झाड़ियों में एक युवक का शव मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान हैं। हत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की शिनाख्त सुल्तानपुरा निवासी 24 साल के शोरू के रूप में हुई। शोरू बुधवार सुबह 7 बजे घर से काम पर जाने के लिए निकला था। बेटे की हत्या से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। तीन महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। पति की हत्या की खबर सुनते ही पत्नी भी सुसाइड करने जा रही थी। परिजनों ने किसी तरह उसे बचाया।

ट्रैक्टर निकालने पर हुआ विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में ट्रैक्टर निकालने को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान दोनों ओर से लाठी-डंडे चले, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, झड़प के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर भी फेंके और गाली-गलौज की। इस मारपीट में दोनों तरफ के लगभग आधा दर्जन लोग घायल हुए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर लोनी कटरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने गांव में स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और विवाद भड़काने के आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है और सतर्कता बरती जा रही है।

■ दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, 6 से ज्यादा घायल

पुलिस पर नाबालिग से मारपीट का आरोप

शिकायत

मां ने एसपी से की शिकायत, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनीकटरा थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में एक 14 वर्षीय किशोर के साथ कथित पुलिस मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की मां ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दौलतपुर निवासी कंचन वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 17 जून 2026 की शाम करीब 6:45 बजे उनका 14 वर्षीय पुत्र विमल कुमार खेत की ओर जा रहा था। रास्ते में गांव के प्रधान के घर के सामने भीड़ लगी थी, जहां प्रधान को चोट लगने की बात हो रही थी। विमल भी वहां रुककर यह सब देखने लगा।

आरोप है कि इसी दौरान दरोगा संतोष कुमार राय अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। शिकायत के अनुसार, पुलिसकर्मियों ने विमल को पकड़कर डंडे से पीटा और उसका गला दबाकर धक्का दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिसकर्मी ने गाली-गलौज करते हुए उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

परिजनों के अनुसार, ग्रामीणों के विरोध के बाद पुलिसकर्मी वहां से चले गए, लेकिन जाते समय धमकी दी। आरोप है कि उसी रात करीब 10:30 बजे पुलिस दोबारा विमल के घर पहुंची, उसका बयान लिया और वीडियो रिकॉर्डिंग की। जब परिजनों ने मेडिकल परीक्षण कराने की बात कही, तो कथित तौर पर उन्हें बताया गया कि इसकी आवश्यकता नहीं है।

कंचन वर्मा ने बताया कि उनके पुत्र के शरीर पर चोटों के निशान हैं और घटना के बाद से उसकी तबीयत खराब है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर मेडिकल परीक्षण कराने और संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

इस मामले में अभी तक पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। लोनीकटरा थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संपर्क करने के प्रयासों के बावजूद कोई औपचारिक बयान प्राप्त नहीं हो सका। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला आयोजित

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर किसानों को जागरूक किया गया

प्रयास

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को जीआईसी ऑडिटोरियम में प्राकृतिक खेती विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना और किसानों को इसके लाभों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश राही उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करने और प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। राही ने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल कम लागत वाली है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादन लागत घटाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।

इस कार्यशाला में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों, जैविक संसाधनों के उपयोग और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल हुए। किसानों में प्राकृतिक खेती को लेकर उत्साह और जागरूकता देखने को मिली। वक्ताओं ने इसे भविष्य की कृषि के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रभावी विकल्प बताया।

सांसद चंद्रशेखर आजाद बाराबंकी पहुंचे

कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत, युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर दिया जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के निंदूरा ब्लॉक स्थित कुर्सी कस्बे में गुरुवार को सांसद चंद्रशेखर आजाद का कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। उनके आगमन को लेकर सुबह से ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ था। दोपहर करीब 12 बजे सांसद का काफिला कुर्सी पहुंचा। इस दौरान समर्थकों ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। समर्थकों ने सामाजिक न्याय और दलित-शोषित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अपने संबोधन में सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सामाजिक एकता, शिक्षा और युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास की दिशा में कार्य करना समय की मांग है। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनीं और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। क्षेत्राधिकारी जगतराम कन्नौजिया और कुर्सी थाना प्रभारी कृष्णकांत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर उपस्थित थे। पुलिस प्रशासन ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की।

■ कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सांसद अपने अगले निर्धारित कार्यक्रम के लिए प्रस्थान कर गए। उनके स्वागत में उमड़ी भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बना दिया। क्षेत्र में दिनभर उनके आगमन की चर्चा रही, जिसे समर्थकों ने संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

कैंट रेलवे स्टेशन के पास 40 क्विंटल मिलावटी खोआ मिला

कई राज्यों में होनी थी सप्लाई, खाद्य विभाग की टीम ने पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के पार्सल घर के पास खाद्य विभाग की टीम ने 40 क्विंटल मिलावटी खोआ पकड़ा है। इसका मालिक भाग गया है। इसे जब्त कर लिया है। खोआ मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ भेजा जा रहा था। शुक्रवार तक इसका मालिक नहीं आने पर नष्ट करा दिया जाएगा।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि आगरा कैंट से पार्सल के जरिये मिलावटी-घटिया खोआ कई राज्यों में भेजा जा रहा है। इस सूचना पर 10 खाद्य अधिकारियों की टीम को रात में आगरा कैंट के पार्सल घर के आसपास लगा दिया।

पार्सल हाउस के बगल में भारी मात्रा में खोआ बरामद किया। यह 40 बोरों में भरा हुआ था। जांच करने पर यह घटिया और मिलावटी प्रतीत हो रहा है। काफी देर तक इंतजार करने पर भी कोई इसका मालिक नहीं आया, ऐसे में इसको नष्ट कर दिया जाएगा। जांच के लिए नमूने भी लिए जा रहे हैं। खाद्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि यह बंगाल के आसनसोल, यूपी, दिल्ली समेत कई जगह पार्सल भेजा जा रहा था।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त निर्देश | **जनसुनवाई रजिस्टर से लोगों का लिया फीडबैक**

खामियों पर डीएम ने अफसरों पर जताई नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में जिलाधिकारी राजागणपति आर. ने गुरुवार दोपहर नगर पंचायत महोली का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शिकायतों के निस्तारण और अभिलेखों के रखरखाव में गंभीरता बरतने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले जनसुनवाई रजिस्टर का अवलोकन किया और शिकायत-कर्ताओं से दूरभाष के माध्यम से सीधे फीडबैक लिया। इसके बाद उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से वार्डों की संख्या, सफाई व्यवस्था और कूड़ा उठान करने वाले वाहनों की जानकारी प्राप्त की। जलकल अनुभाग का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वाहनों की लॉगबुक का अवलोकन किया तथा संबंधित कर्मचारियों से हाउस टैक्स व अन्य अभिलेखों की जानकारी ली।

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र अनुभाग में पहुंचकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और पात्र आवेदकों को समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने दाखिल-खारिज पटल पर रजिस्टरों और महत्वपूर्ण पत्रावलियों का भी गहन निरीक्षण किया।

लेखा अनुभाग में बंधन योजना से संबंधित अभिलेखों और भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन कार्यों, गौशाला और आरसीसी सड़क से जुड़ी पत्रावलियों का भी अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने बंधन योजना के अंतर्गत निर्मित सड़क का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और गुणवत्ता की जांच की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पंचायत की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत महोली सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा पर महिला कर्मचारी से अभद्रता कर रहा था, रोकने पर गाली-गलौज करने लगा

बिजनौर में दबंग ने कार से गनमैन को रौंदा

अफरा-तफरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नगीना । बिजनौर में एक युवक ने पुरैनी टोल प्लाजा पर गनमैन को कार से रौंद दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। टोल कर्मचारियों के मुताबिक, कार चालक ने पहले एक महिला कर्मचारी पर अभद्र टिप्पणी की।

महिला ने विरोध किया तो वह गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान वहां मौजूद बुजुर्ग गनमैन बीच-बचाव के लिए पहुंचे, लेकिन आरोपी उनसे भी उलझ गया। गुस्से में आरोपी ने अपनी कार से गनमैन को जोरदार टक्कर मार दी।

उन्हें बचाने के लिए अन्य कर्मचारी दौड़े। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद आरोपी कार लेकर फरार हो गया। हादसे में गनमैन का सिर फट गया, जबकि महिला कर्मचारी को हल्की चोटें आई हैं। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे नगीना थाना क्षेत्र में हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। वहीं, घायल गनमैन की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

पुरैनी टोल प्लाजा पर कार की टक्कर के बाद महिपाल छिटककर दूर जा गिरे। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

गुस्साए दबंग ने बुजुर्ग गनमैन पर चढ़ा दी कार

विवाद बढ़ने पर कार सवार ने अपनी गाड़ी स्टार्ट की और महिपाल को सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह कई फीट दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घटना के बाद टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद कर्मचारी उनकी ओर दौड़े, जबकि आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद टोल कर्मचारियों ने महिपाल को अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बताया कि महिपाल के सिर में गंभीर चोट लगी है। उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। फिलहाल एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। परिजन आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

गनमैन महिपाल को फिलहाल मेरठ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज चल रहा है।

टोल कर्मचारी बोला- कार सवार पूरी तरह नशे में था

टोल कर्मचारी अरशद ने बताया, "कार सवार पूरी तरह नशे में था। उसने बिना किसी वजह के हमारी महिला स्टाफ शिवानी के साथ बदतमीजी की। जब हमारे गनमैन महिपाल अंकल ने उसे रोका, तो उसने जानबूझकर उन पर गाड़ी चढ़ा दी और मौके से भाग निकला।"

साथ रखे गए थे बीमार गोवंश, सांड़ और बछड़े

गोरखपुर में नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर नगर निगम की ओर से महेवा में संचालित कान्हा उपवन गोशाला में बीमार,कमजोर गोवंश के साथ सांड़ व छोटे बछड़ों को भी रखा गया है। नगर आयुक्त अजय जैन ने इसपर नाराजगी जताई है। नगर आयुक्त गुरुवार को कान्हा उपवन का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि बीमार, कमजोर गोवंश एवं छोटे बछड़ों को एक अलग शेड में रखा जाए। इसी तरह गाय एवं सांड़ को भी अलग-अलग शेड में रखने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। सभी शेड के बीच बैरिकेडिंग कराने एवं गेट को मजबूत बनाने के लिए भी निर्देश दिया गया।

नगर आयुक्त ने पशुओं के लिए उपलब्ध भूसा, चोकर, हरा चारा एवं साइलेज के स्टॉक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए भरपूर स्टॉक रखा जाए।

नगर आयुक्त ने सुरक्षा की दृष्टि से पूरे गोशाला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने पशु कल्याण अधिकारी एवं कान्हा उपवन के संचालक को निर्देश दिया कि आज जो भी कमियां मिली हैं, उन्हें दूर कर लिया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त एवं वरिष्ठ प्रभारी कान्हा उपवन प्रमोद कुमार, कान्हा उपवन के संचालक आईडीएस इंटरप्राइजेज के राजकुमार नायक आदि उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

रिटायर दरोगा के बेटे को गोली मारी

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर में पुरानी रंजिश ने एक परिवार पर कहर बरपा दिया। कैंसर पीड़ित मां को देखने हैदराबाद से आए युवक को पार्क में बुलाकर दबंगों ने पहले शराब पिलाई, फिर मारपीट कर गोली मार दी। गुरुवार को हुई इस घटना के बाद सदमे में ताऊ को हार्टअटैक आया और उनकी मौत हो गई। आवास विकास-3 निवासी रविंद्र सिंह पुलिस विभाग से दरोगा पद से रिटायर हैं।

गीता प्रेस के चेयरमैन केशोराम अग्रवाल का निधन

गोरखपुर। गीता प्रेस के चेयरमैन केशोराम अग्रवाल का 97 साल की उम्र में निधन हो गया। मंगलवार को कोलकाता में सुबह 7 बजकर 22 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से गीता प्रेस परिवार, धार्मिक जगत और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। जानकारी देते हुए गीता प्रेस के मैनेजर डॉ. लालमणि तिवारी ने बताया कि उनका जीवन धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित रहा। वे गीता प्रेस के संस्थापक ब्रह्मलीन सेठ जयदयाल गोयंका, ब्रह्मलीन स्वामीजी रामसुख दासजी महाराज के विशेष कृपाभाजन थे।

निष्कासित बीजेपी पार्षद ने योगी को ज्ञापन सौंपा

कानपुर। कानपुर में सीएम योगी के कार्यक्रम के बाद निष्कासित भाजपा पार्षद पवन गुप्ता मंच के नीचे पहुंच गए। पार्षद ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप दिया। ये देखकर मेयर प्रमिला पांडेय भड़क गईं। इसका वीडियो भी सामने आया है। जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित के सामने कह रही हैं कि लेकर कौन आया था, जो लाया होगा उसने ही कहा होगा कि कागज दे देना।

नोएडा में चलते डंपर से हाईवे पर बिछे पत्थर कई गाड़ियां आपस में टकराने से बची

पुलिस ने खुद फावड़े से हटाई लाल ईंटें

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक चलते डंपर से अचानक बजरी और पत्थर गिर गए। इससे हाईवे पर काफी दूर तक लाल रंग के पत्थरों की चादर फैल गई। इस दौरान हाईवे से गुजरने वाले चालकों को अपनी गाड़ी की स्पीड अचानक धीमी करनी पड़ी। जिससे कई गाड़ियां बार-बार आपस में टक्कराने से बची। जबकि कई गाड़ियों के टायर भी पंचर हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने जेसीबी के आने तक खुद सड़क से पत्थरों को हटाया। इसके बाद जेसीबी मशीन ने पत्थरों को पूरी तरह हटाया। पत्थर हटने के बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। इसके साथ ही जिन गाड़ी चालकों की गाड़ी के टायर पंचर हो गए थे, पुलिस ने पंचर बनाने वाली गाड़ी बुलाकर उनकी भी मदद की।

मामला दादरी थाना क्षेत्र के चकसेनपुर के पास का है। सुबह के समय कुछ डंपर पेरीफेरल हाईवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक डंपर का जैक अचानक ऊपर उठ गया, जिससे बजरी और लाल के टूटे पत्थर सड़क पर बिखरते चले गए। हाईवे पर जैसे-जैसे ट्रक आगे बढ़ रहा था, वैसे-वैसे पत्थर हाईवे पर बिछते जा रहे थे। दरअसल ट्रक ओवरलोड था। तो ट्रक ड्राइवर ने आरटीओ की कार्रवाई से बचने के लिए जैक की मदद से बड़े-बड़े पत्थर सड़क पर गिरा दिए। अचानक सड़क पर पत्थर बिछ जाने से हाईवे पर जाम लगने और अफरातफरी मच गई।

हाईवे से गुजर रही कई गाड़ियों इन पत्थरों की चपेट में आ गए। कई गाड़ियों के टायर तक पंचर हो गए। तेज धूप में लोग घंटों तक हाईवे पर फंसे रहे। उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हाईवे पर पत्थरों के बिछे होने के कारण कभी भी कोई हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही दादरी थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ईट-पत्थरों को हाईवे से हटाने के लिए जेबीसी को बुलवाया। फिर जिन गाड़ी के चालकों के टायर पंचर हो गए थे, उनके लिए पंचर बनाने वाली गाड़ी को भी हाईवे पर बुलवाया।

कहा- हमको तो दर्शन करने जाने देंगे सब लट्टू बजा देंगे, हमसे तो नाराज रहते हैं

200 दीजिए, बैरियर हट जाएगा : बृजभूषण सिंह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा की कैसरगंज लोकसभा सीट से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राम मंदिर आंदोलन और अयोध्या में लगाए गए बैरियरों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय कटियार के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की उपेक्षा हो रही है। बृजभूषण ने कहा कि यह सवाल पूरी तरह सही है और मंदिर निर्माण के बाद सबसे ज्यादा परेशानी उन्हीं लोगों को झेलनी पड़ी, जिन्होंने आंदोलन में सबसे बड़ा योगदान दिया था।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में वर्तमान देवीपाटन मंडल, बस्ती, अयोध्या और बाराबंकी क्षेत्र के लोगों ने सबसे अधिक भागीदारी निभाई थी। इन इलाकों के लोगों ने आंदोलन को मजबूत करने के लिए धन, जनशक्ति और हर संभव सहयोग दिया।

उन्होंने कहा कि पहले हजारों श्रद्धालु नियमित रूप से अयोध्या जाकर नागेश्वर नाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करते थे। कई लोग तो दर्शन किए बिना पानी तक नहीं पीते थे। लेकिन मंदिर बनने के बाद सुरक्षा और बैरियर व्यवस्था के कारण आम श्रद्धालुओं की पहुंच मुश्किल हो गई है। उनका कहना था कि जिन लोगों ने आंदोलन को मजबूत किया, वही आज सबसे अधिक उपेक्षा महसूस कर रहे हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि वह स्वयं अभी तक राम मंदिर के दर्शन करने नहीं गए हैं। उन्होंने कहा कि जब आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ नेता विनय कटियार को भी दर्शन के दौरान पहचान और पास संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, तो आम लोगों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की भावनाओं को समझना जरूरी है और श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अधिक सहज और सरल व्यवस्था मिलनी चाहिए।

बैरियरों ने बढ़ाई दूरी, चुनाव में भी दिखा असर

पूर्व सांसद ने अयोध्या और आसपास के इलाकों में लगाए गए बैरियरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई रास्ते वर्षों तक बंद रखे गए। उन्होंने दावा किया कि आम लोगों को अयोध्या पहुंचने में अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बृजभूषण ने कहा कि अयोध्या, अंबेडकरनगर, बस्ती और बाराबंकी जैसे क्षेत्रों में चुनावी नतीजों पर भी इसका असर दिखाई दिया। उनका कहना था कि जनता की नाराजगी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई जगहों पर बैरियर व्यवस्था को लेकर लोगों में असंतोष रहा और इसे लेकर लगातार शिकायतें मिलती रहीं।

आगे का शीशा टूटने से ननद-भाभी उछलकर बाहर गिरीं, दोनों की मौत, नैनीताल से लौट रहे थे

मेरठ के 28 टूरिस्ट की ट्रैवलर खाई में गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ से नैनीताल घूमने गए एक परिवार की ट्रैवलर खाई में गिर गई। ट्रैवलर में 28 लोग सवार थे। ब्रेक फेल होने से गाड़ी खाई में गिरकर एक पेड़ से टकराई। इससे आगे का शीशा टूट गया और दो महिलाएं उछलकर बाहर गिर गईं। उन दोनों की ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। मेरठ से भी परिवार के लोग नैनीताल रवाना हो गए। हादसा नैनीताल में कालाढूंगी मार्ग पर बुधवार की देर रात हुआ।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। कई घंटे तक चले राहत व बचाव अभियान के बाद सभी घायलों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक वाहन में कुल 28 लोग सवार थे। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। उसमें एक की पहचान नफीस की पत्नी शहनाज (45) और बहन नाजरीन (32) के रूप में हुई है।

जबकि अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया है।

हादसे की जानकारी पर नफीस के भाई अनीस के घर के बाहर मोहल्ले के कई लोग जमा हो गए।

ड्राइवर ने पैरापिट से टकराना चाहा, कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

ट्रैवलर चला रहा ड्राइवर नईम भी घायल हुआ है। उसने अस्पताल में पुलिस को बताया कि रास्ते में उसकी गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक फेल होते ही उसने गाड़ी को नियंत्रित करने का पूरा प्रयास किया। गाड़ी की रफ्तार बढ़ती देख सब लोगों की सांसें अटक गईं। कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग पर प्रिया बैंड के पास नईम ने गाड़ी रोकने के लिए उसे सड़क किनारे स्थित पैरापिट नुमा दिवार से टकराने की सोची, लेकिन तेज रफ्तार के कारण पैरापिट टूट गया और वाहन सीधे खाई में गिरा और पेड़ से जा टकराया। इससे वाहन का आगे का शीशा टूटा और दोनों महिलाएं वहीं गिर गईं। पीछे मौजूद लोगों ने उनका हाथ थामने की कोशिश भी की लेकिन वे उन्हें बचा नहीं सके।

परिवार में मातम, दुकानें बंद

नैनीताल में हुए हादसे की जानकारी के बाद मेरठ के ताला फैक्ट्री क्षेत्र में मातम छा गया। परिजन रातों-रात हल्द्वानी के लिए रवाना हो गए। अस्पताल के बाहर परिजनों की भीड़ जुटी हुई है और सभी घायल रिश्तेदारों की सलामती की दुआ कर रहे हैं। नाजरीन के भाई परवेज ने बताया कि परिवार के 28 सदस्य नैनीताल घूमने गए थे जिसमें नाजरीन और उनके भाई नफीस की पत्नी शहनाज की मौत हो गई है पूरे परिवार में मातम है उन्होंने बताया कि देर शाम तक सभी घायल और मृतकों के शव मेरठ पहुंचेंगे।

'पीडीए ने जिस घर को सील किया, उसमें लड़की थी'

अफसर बोले- सीलिंग के समय मकान में कोई नहीं था

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में पीडीए (प्रयागराज विकास प्राधिकरण) की टीम ने एक घर को सील कर दिया। जबकि घर के अंदर एक लड़की थी। पीडीए ने सीलिंग का बोर्ड लगाने के बाद घर के आगे के हिस्से को फीते से बांध दिया। इसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि घर सील है। एक लड़की घर के अंदर से खिड़की से झांकते हुए दिखाई दे रही है।

पीडीए जोन संख्या एक के जोनल अधिकारी गंगेश कुमार सिंह ने बताया कि नजूल भूमि को फ्री होल्ड नहीं कराया गया है। लेआउट स्वीकृत नहीं है। नोटिस के बाद निर्माण काम हो रहा था। इसलिए 17 जून को टीम ने सीलिंग की कार्रवाई की। सीलिंग के दौरान अंदर कोई नहीं था। दावा किया ये लोग पीछे के रास्ते से अंदर घुसे हैं।

वही वीडियो सामने आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने X (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा- ये हैं असंवेदनशील भाजपा सरकार के ग़ैर ज़िम्मेदार और अमानवीय प्रयागराज विकास प्राधिकरण का हृदयहीन कारनामा। जिसमें PDA समाज की एक महिला का घर और उस घर के अंदर उसकी बेटी को भी सील कर दिया। दोषी को सस्पेंड कर देना चाहिए। सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले संजय कुमार शेखर ने बताया कि मैं झांसी में बिजली विभाग में नौकरी करता हूं। मेरी पत्नी अलका शेखर एजी आफिस प्रयागराज में काम करती है।

7 करोड़ के शिक्षा घोटाले में लखनऊ पहुंची सीबीआई

अयोध्या अमेठी समेत 8 ठिकानों पर छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अयोध्या अमेठी के वित्त एवं लेखा विभाग में हुए करोड़ों रुपए के कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने बुधवार सुबह अयोध्या में छापेमारी की। सीबीआई की टीम सुबह करीब 5:30 बजे कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकली पुलिस चौकी के निकट स्थित एक मकान पर पहुंची और जांच शुरू की। कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

सूत्रों के अनुसार, सीबीआई ने पवन कुमार मालवीय के आवास पर दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच की। टीम ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र कीं और मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। जांच के दौरान स्थानीय पुलिस को भी आवश्यक सहयोग के लिए अलर्ट रखा गया था। बताया जा रहा है कि

अमेठी के वित्त एवं लेखा विभाग में हुए करोड़ों रुपए के कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में अदालत के निर्देश पर सीबीआई जांच कर रही है। इसी क्रम में एजेंसी ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एक साथ कार्रवाई की। अयोध्या के अलावा अमेठी, लखनऊ, प्रतापगढ़ और कुशीनगर में भी सीबीआई की टीमों ने संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह पूरी कार्रवाई सीबीआई की डीआईजी शिवानी तिवारी के निर्देशन में की गई। अयोध्या में करीब ढाई घंटे तक चली जांच के बाद सुबह लगभग 8 बजे टीम वहां से रवाना हो गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

तकनीक से बदल रहौं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को दोनों क्षेत्रों के भविष्य के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा। यह टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नोलॉजी (तकनीक) और टूरिज्म (पर्यटन) के आदान-प्रदान के लिए कई नए रास्ते तैयार करेगा। इस साल 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' की शुरुआत के साथ फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण पुल की भूमिका निभा रहा है, जो भारत और पूरे यूरोप के टेक इकोसिस्टम को एक-दूसरे के बेहद करीब ला रहा है।

बैठक: उद्धव ठाकरैं...

गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र पुलिस को 6 बागी सांसदों Y+ सिक्योरिटी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, 6 सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। उधर संजय राउत ने लगातार दूसरे दिन बागी सांसदों को गाली दी।

जालसाजों ने उड़ाऐं...

जांचकर्ताओं ने बताया कि पैसा पहले महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के चार बैंक खातों में गया। प्रत्येक खाते में 1 करोड़ रुपये से 2 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके बाद पैसा लगभग 30 से 40 खातों में वितरित हुआ। फिर इसे कई अन्य म्यूल खातों के माध्यम से स्थानांतरित किया गया। यह धन के निशान को छिपाने का एक स्पष्ट प्रयास था। साइबर जांचकर्ता अब धन की आवाजाही पर नजर रख रहे हैं और लाभार्थियों की पहचान कर रहे हैं।

गुजराल ने बताया कि धोखाधड़ी की त्वरित रिपोर्टिंग से मदद मिली। अधिकारियों ने चोरी की गई राशि का एक बड़ा हिस्सा फ्रीज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी और मुख्य वित्तीय अधिकारी धोखाधड़ी के शिकार हुए। गुजराल उस समय शहर से बाहर थे। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध विभाग को तुरंत सूचित करने से 70 फीसदी से अधिक राशि बरामद हुई। पुलिस शेष राशि का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार करने में जुटी है।

टेलीग्राम क्यों बैनें...

गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस तेजस कारिया की बेंच टेलीग्राम की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें उसके खिलाफ लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी।

बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही कहा है कि अगर किसी पक्ष को कोई बात रखनी है तो वह शाम 7 बजे तक जमा कर सकता है। दरअसल, भारत सरकार ने 21 जून को होने वाले NEET रीएग्जाम से पहले टेलीग्राम चैनल पर अस्थायी बैन लगाया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी। एक अलग निर्देश में टेलीग्राम को 30 जून तक पहले भेजे गए मैसेज को एडिट करने की सुविधा बंद करने का भी निर्देश दिया गया है।

सरकार ने हलफनामैं...

किसी चैनल के एक लाख सदस्यों को कुछ ही सेकंड में दूसरे चैनल पर ट्रांसफर किया जा सकता है। इससे गंभीर खतरा है।

टेलीग्राम में तारीख और समय एडिट कर सकते हैं। जिससे इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। 2024 में ऐसा हुआ था। परीक्षा के बाद पेपर पब्लिश किया गया था, लेकिन उसमें तारीख को परीक्षा से एक दिन पहले की तारीख में बदल दिया गया था।

चीन, फ्रांस, रूस जर्मनीं...

सरकार ने कोर्ट को यह भी बताया कि पिछले कुछ सालों में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर इस ऐप से जुड़ी धोखाधड़ी की शिकायतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अकेले 2025 में 2.75 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें 3,086 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी शामिल है।

सरकार ने चीन, ईरान, फ्रांस, रूस, जर्मनी और ब्राजील जैसे कई देशों में टेलीग्राम के खिलाफ की गई रेगुलेटरी और एनफोर्समेंट कार्रवाई का भी जिक्र किया। ये कार्रवाई स्थानीय कानूनों का पालन न करने, कंटेंट मॉडरेशन में कमी और कानून लागू करने से जुड़ी चिंताओं जैसे मुद्दों पर की गई थीं। टेलीग्राम का पक्ष एडवोकेट ध्रुव मेहता ने रखा। उन्होंने कोर्ट में कहा कि जो कुछ हुआ, हम सब जानते हैं। बहुत सारे छात्र प्रभावित हुए। दूसरा पहलू यह है कि क्या उस एक घटना को रोकने के लिए पूरे प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया जा सकता है?

टेलीग्राम ने बताया कि 9 जून को अधिकारियों से विशिष्ट यूआरएल मिलने के एक घंटे के भीतर ही प्रतिबंधित सामग्री को हटा दिया।

यह भी दावा किया कि उसने गैर-कानूनी NEET सामग्री से जुड़े 900 से ज्यादा लिंक हटाए हैं। नियमों के उल्लंघन की पहचान करने के लिए AI, मशीन लर्निंग टूल और मैन्युअल मॉडरेशन का इस्तेमाल किया है।

गोवंश फसल खाते हैं...

कई उदाहरण आपके सामने हैं। सिख गुरुओं का इतिहास आपके सामने है। जब कोई आक्रांता गोहत्या करता था या कसाई गोमाता की हत्या करता था, तो सिखवीर वहीं पर उसका काम तमाम कर देते थे। ये उस समय की बात है, जब देश गुलाम था।

योगी ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच लाखों किसानों ने आत्महत्या की। 2014 के बाद इस पर रोक लगी। सरकार का संकल्प है कि गोवंश की तस्करी और उन्हें कटने नहीं देंगे। इसके लिए प्रदेश में 7700 से ज्यादा गोशालाओं में 14 लाख गोवंश संरक्षित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसानों को गोवंश पालन के लिए प्रति पशु 1500 रुपए हर महीने की सहायता दी जा रही है। क्यों 2014 के पहले किसान आत्महत्या कर रहा था? क्योंकि, लागत ज्यादा थी और उत्पादन कम होता था। इससे किसान परेशान रहता था।

43वीं रैंक के कांगो ने पुर्तगाल को ड्रॉ पर रोका

मैच

वर्ल्डकप में पहला गोल भी दागा, क्रिस्टियानो रोनाल्डो स्कोर नहीं कर पाए

ह्यूस्टन, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप में छोटी टीमों का कमाल जारी है। बुधवार को 43वीं रैंकिंग वाली कांगो ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को 1-1 के ड्रॉ पर रोक लिया। 52 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी कर रही कांगो गणराज्य ने टूर्नामेंट में अपना पहला गोल भी दागा। हालांकि, रोनाल्डो एक भी गोल नहीं कर सके।

ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में ग्रुप-K के मैच में पुर्तगाल ने छठे मिनट में जोआओ नेवेस के गोल से शानदार शुरुआत की। लेकिन यही उसका आखिरी गोल रहा। हाफ टाइम के इंजरी टाइम के 5वें मिनट में योआन वीसा ने कांगो को बराबरी दिलाई। इस ड्रॉ के बाद पुर्तगाल को ग्रुप स्टेज से अगले मैच जीतने होंगे। उसे 23 जून को उज्बेकिस्तान और 28 जून को कोलंबिया से मैच खेलने हैं। फिलहाल, टीम ग्रुप-के की पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है।

कांगो ने दागा पहला वर्ल्ड कप गोल

यह कांगो के इतिहास का पहला वर्ल्ड कप गोल था। इससे पहले टीम ने 1974 में जायर नाम से वर्ल्ड कप खेला था, लेकिन तब कोई गोल नहीं कर सकी थी। गोल के बाद विसा ने कहा, '52 साल बाद हम फिर वर्ल्ड कप में लौटे हैं। यह गोल मेरे, मेरे परिवार और पूरे कांगो के लिए बेहद खास है।'

41 साल और 132 दिन की उम्र में क्रिस्टियानो रोनाल्डो वर्ल्ड कप मैच की शुरुआत करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने। रोनाल्डो टूर्नामेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। उनसे आगे कैमरून के रोजर मिल्ला हैं, जो 1994 में 42 साल और 39 दिन की उम्र में रूस के खिलाफ उतरे थे।

> पुर्तगाल ने दूसरे हाफ में एक बार और गेंद जाल में पहुंचाई थी। 55वें मिनट में जोआओ कैंसेलो ने शानदार बाइसिकल किक से गोल किया, लेकिन वीएआर जांच में उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया। दूसरी ओर कांगो भी जीत के करीब पहुंचा था, लेकिन सेड्रिक बाकाम्बू का शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया।

ग्रुप-एल मुकाबले में इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। आर्लिंग्टन के एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए मैच में हैरी केन ने दो गोल किए, जबकि जूड बेलिंगहैम और मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल दागे। क्रोएशिया की ओर से केमार्टिन बातुरीना (36वें मिनट) और पेटार मूसा (45+5 मिनट) ने गोल किए। यह मुकाबला 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की याद दिलाने वाला रहा, जिसमें क्रोएशिया ने इंग्लैंड को हराया था। हालांकि इस बार इंग्लिश टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली।

रोनाल्डो ने गोल के मौके गंवाए

पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे मैच में गोल की तलाश में रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने 68वें और 73वें मिनट में दो अच्छे मौके गंवा दिए। दोनों बार उनका शॉट गोलपोस्ट के दाईं ओर निकल गया। 90वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के पास भी विजयी गोल करने का मौका था, लेकिन उनका प्रयास भी लक्ष्य से चूक गया।

गोल सेलिब्रेट करते हुए कांगो के योआने विसा।

मंधाना टी-20 में 600 चौके लगाने वाली पहली बैटर बनीं

वर्ल्डकप में छठी फिफ्टी लगाई, मिताली-हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा

लीड्स, एजेंसी

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड को 95 रन से हरा दिया। लीड्स में स्मृति मंधाना ने 74 रन की पारी में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे मेंस और विमेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 चौके पूरे करने वाली पहली बल्लेबाज बनीं।

बुधवार को मंधाना ने मिताली राज और हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर दीप्ति शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के सबसे ज्यादा विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मंधाना ने नीदरलैंड के खिलाफ 11 चौके लगाए। उनके नाम टी-20 इंटरनेशनल में 603 चौके हो गए हैं। वे पुरुष या महिला टी-20 इंटरनेशनल में 600 चौके पूरे करने वाली दुनिया की पहली प्लेयर बन गई हैं। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 521 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

स्मृति ने टी-20 वर्ल्ड कप में छठवां 50+ स्कोर बनाया। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने हरमनप्रीत कौर और मिताली राज के 5 फिफ्टी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के 355 विकेट हो गए हैं।

पहली बार कोई टीम 400 रन बनाकर ऑलआउट

श्रेयस ने कोहली को पीछे छोड़ा, ईशान-गिल ने एक ही ओवर में शतक लगाए

लखनऊ, एजेंसी

भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारतीय टीम 402 रन पर ऑलआउट हो गई। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 400 रन बनाने वाली टीम ऑल आउट भी हुई है। बुधवार को शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) ने एक ही ओवर अपने-अपने शतक पूरे किए। श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। वे सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने। मैच के दौरान दरविश रसूली को चोटिल होने पर स्ट्रेचर से मैदान से बाहर ले जाया गया।

गिल ने 77 और किशन ने 71 गेंद

में शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों ने भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड बनाया। वनडे क्रिकेट में पहली बार दो भारतीय बल्लेबाजों ने एक ही पारी में 80 या उससे कम गेंद में शतक लगाया।

भारत ने 8वीं बार वनडे में 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। टीम ने इस मामले में साउथ अफ्रीका की बराबरी कर ली। साउथ अफ्रीका भी वनडे में 8 बार यह कारनामा कर चुका है।

श्रेयस अय्यर ने 11वां रन बनाते ही वनडे में 3 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 72 पारी और 3049 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सबस कम पारी में 3 हजार रन बनाने वाले विराट कोहली (75 पारी) को पीछे छोड़ दिया है। अब वे शिखर धवन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल 62 पारी के साथ पहले स्थान पर हैं। अय्यर सबसे कम गेंद में यह आंकड़ा छूने वाले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव 2995 गेंद के साथ पहले नंबर पर हैं। गिल ने 108 गेंद में 150 रन पूरे किए। यह वनडे में किसी भारतीय का तीसरा सबसे तेज 150+ का स्कोर है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने पहली बार टी-20 में 9 विकेट झटके

चटगांव । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने टी-20 क्रिकेट में पहली बार 9 विकेट झटके हैं। इससे मिचेल मार्श की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया। बुधवार को चटगांव में टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही बांग्लादेशी टीम 19 ओवर में 132 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से लेग स्पिनर एडम जम्पा (3 विकेट), जोएल डेविस (3 विकेट), मैट रैनशॉ (2 विकेट) और निखिल चौधरी (एक विकेट) ने मिलकर लिए। एक विकेट तेज गेंदबाज स्पेंशर जॉनसन को मिला। यह ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एडम जम्पा टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वे दुनिया के केवल 5वें लेग स्पिनर हैं, जिन्होंने टी-20I में 150 या उससे अधिक विकेट हासिल किए हैं।

बीसीसीआई सेक्रेटरी बोले- गर्मी, प्री-मानसून बारिश के कारण फैसला लिया, मैच नहीं बढ़ेंगे

अगले साल एक हफ्ते पहले से शुरू होगा आईपीएल

चर्चा

- कुरुविला को संभावित विंडो तलाशने को कहा है: सैकिया

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL का अगला सीजन एक हफ्ते पहले शुरू होगा। यह कहना है BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया का।

सैकिया ने गुरुवार को PTI से कहा- 'बढ़ती गर्मी और प्री-मानसून के कारण IPL जल्दी शुरू होगा। इसकी तारीखें 10 मार्च से 15 मई 2027 हो सकती हैं।'

उन्होंने यह भी कहा- 'व्यस्त

इंटरनेशनल कैलेंडर के कारण लीग में मैचों की संख्या नहीं बढ़ेगी।' पहले लीग के मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने की तैयारी थी।

सैकिया ने बताया कि BCCI और IPL गवर्निंग काउंसिल इस पर चर्चा कर रहे हैं। बोर्ड ने गेम्स डेवलपमेंट महाप्रबंधक एबी कुरुविला को भी संभावित विंडो तलाशने का निर्देश दिए हैं।

> सैकिया ने कहा- ' आईपीएल मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होकर मई के आखिरी हफ्ते तक चलता है। लेकिन, मई के दूसरे पखवाड़े में कई वेन्यू पर बहुत ज्यादा गर्मी और बारिश की आशंका रहती है। इससे खिलाड़ियों और फैंस को परेशानी होती है।

डोमेस्टिक क्रिकेट के कैलेंडर में बदलाव संभव

सैकिया ने यह भी कहा कि IPL को मार्च में शुरू करने के लिए घरेलू क्रिकेट कैलेंडर में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। उनकी कोशिश होगी कि घरेलू क्रिकेट सत्र 10 मार्च तक समाप्त हो जाए, ताकि उसके तुरंत बाद IPL का आयोजन शुरू किया जा सके।

मनोरंजन

बीमार फैन से मिलकर रोए पवन कल्याण इलाज के लिए 1 लाख रुपए भी दिए

मानहानि केस में कोर्ट ने पक्ष में दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और साउथ एक्टर पवन कल्याण ने दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे एक नन्हे फैन से मुलाकात की। इस मुलाकात से पहले पवन कल्याण मंदिर जाकर उनके लिए खुद थाल लेकर आए। बिस्तर पर लेटे हुए बीमार फैन को देख पवन भावुक हो गए और उसे गले लगाकर रो पड़े। उन्होंने उस फैन के परिवार को आर्थिक मदद भी दी है। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया के जरिए बताया है कि उन्होंने हाल ही में वारंगल जिले के हनमकोंडा के रहनेवाले निरंजन का एक वीडियो देखा था। निरंजन एक दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे हैं, जो पवन कल्याण के बड़े फैन हैं। उन्हें पवन कल्याण से मिलने की इच्छा जताई थी। इस पर पवन कल्याणन ने लिखा, 'मुझे लगा

कि उनकी यह इच्छा जरूर पूरी होनी चाहिए। आज मैं उनके घर हनमकोंडा पहुंचा और उनसे मुलाकात की। निरंजन का साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का उनका जज्बा सचमुच प्रेरणादायक है। इतनी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उनका मजबूत हौसला काबिले-तारीफ है।'

आगे उन्होंने लिखा, 'मैंने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी से निरंजन के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की प्रार्थना की। साथ ही मां भद्रकाली का आशीर्वाद हमेशा उन पर बना रहे, यही कामना करता हूं। ईश्वर की कृपा से वह जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौटें।'

कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर कई ऐसी पोस्ट की गईं, जिनमें पवन कल्याण पर झील की जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप लगाए गए थे। पवन कल्याण ने इसके खिलाफ बैंग्लोर सिटी सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर इसे मानहानि-कारक बताया था।

विवादित बयान पर फंसी अपूर्वा मखीजा, यूजर ने रेट लगाए तो इन्फ्लूएंसर ने सिखाया सबक

₹10-15 करोड़ में शेख के साथ सोने का सोचूंगी

नई दिल्ली। इंडिया गॉट लेटेंट से विवादों में रह चुकीं अपूर्वा मुखिजा फिर एक बार विवादों से घिर चुकी हैं। दरअसल, हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर फिर सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं 2 रुपए के रोल के लिए किसी के साथ नहीं सो रही, हां अगर दुबई का कोई शेख मुझ पर 10-15 करोड़ फेंककर मारे तो शायद मैं इस बारे में सोचूंगी।

उनका वीडियो वायरल होने के बाद कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें अलग-अलग रेट ऑफर करना शुरू कर दिया, जिस पर इन्फ्लूएंसर भड़क गईं। अपूर्वा ने ऐसे ही 12 हजार ऑफर कर रहे एक शख्स की कंपनी में ही उसकी शिकायत कर दी है। जिसके बाद कथित तौर पर उस शख्स को उनसे माफी मांगनी पड़ी है।

इंडियाज गॉट लेटेंट से विवादों में रही हैं अपूर्वा

बीते साल फरवरी में अपूर्वा मुखीजा के खिलाफ देशभर के कई शहरों में शिकायत दर्ज हुई थी। दरअसल, अपूर्वा मुखीजा 8 फरवरी को आए समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में जज बनी थीं। उन्होंने मजाक उड़ा रहे एक कंटेस्टेंट को फटकार लगाते हुए कुछ अपशब्द कहे थे। इसी एपिसोड में रणवीर अलाहाबादिया ने पेरेंट्स पर आपत्तिजनक कमेंट किया, जिससे शो से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। रेप और जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद अपूर्वा मुखीजा ने मुंबई छोड़ दिया था। हालांकि मामले खत्म होने के बाद अब वो मुंबई में दोबारा काम करना शुरू कर चुकी हैं।

एक्शन लेने से पहले अपूर्वा ने दी थी चेतावनी

- अपूर्वा मुखिजा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से उस शख्स द्वारा भेजे गए मैसेजेस का स्क्रीनशॉट शेयर किया है।
- अपूर्वा ने आखिरी बातचीत करते हुए कहा,मैं तुम्हारे साथ काम करने वालों को ढूंढ लूंगी और पर्सनली उन्हें मैसेज करुंगी।
- आगे अपूर्वा ने लिखा- तुमने कहा कि तुम मझे 12 हजार में खरीद लोगे। मैं देखना चाहूंगी कि तुम ये कैसे करते हो।
- जवाब में शख्स ने कहा- क्या तुम्हारे पास इतना टाइम है।

एक रील बनाने के 76 लाख लेते हैं ओरी

- बोले- शादी-बर्थडे पार्टी में बुलाने पर 25 लाख रुपए चार्ज करता हूं

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ओरी, जिनका असली नाम ओरहान अवत्रामानी है, लंबे समय से अपनी कमाई और प्रोफेशन को लेकर चर्चा में रहे हैं। अब उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वे पैसे कैसे कमाते हैं। एक पॉडकास्ट में ओरी ने बताया कि ब्रांड एंडोर्समेंट और स्पॉन्सर्ड कंटेंट उनकी कमाई का बड़ा जरिया है।

उन्होंने एक रील के लिए 76 लाख रुपए तक लेने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा, ओरी प्राइवेट इवेंट्स में शामिल होने के लिए भी मोटी फीस वसूलते हैं। उन्होंने अपने बिजनेस मॉडल और पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़ी कई बातें साझा की हैं। ओरी को पहली बार अंबानी परिवार के कार्यक्रमों शामिल होकर चर्चा में आए थे। ओरी ने के के क्रीऐशन के साथ अपने पॉडकास्ट में बताया कि कोई भी व्यक्ति उन्हें निजी कार्यक्रमों के लिए हायर कर सकता है। इसमें शादी, जन्मदिन, लंच या डिनर जैसे इवेंट्स शामिल हैं। ओरी के मुताबिक, इन इवेंट्स में शामिल होने के लिए वे 15 लाख से लेकर 25 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं। उन्होंने इसे 'खरीदे जा सकने वाले अनुभव' के रूप में परिभाषित किया।

कहा- हमेशा से पता था वो कुछ बड़ा करने वाले हैं, 3 ब्लॉकबस्टर फिल्मों में साथ काम किया

तमिलनाडु सीएम थलापति विजय से मिलीं सामंथा

तमसा संकेत, एजेंसी

सामंथा रुथप्रभू ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय से चेन्नई में मुलाकात की है। इस स्पेशल मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट कर सामंथा ने विजय की तारीफों के पुल बांधे हैं। सामंथा ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, 'जब मैं आज चेन्नई पहुंची, तो मुझे बेहद खुशी महसूस हुई, क्योंकि मैं हमारे मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थी। मुझे हमेशा लगता था कि विजय सर सिर्फ पर्दे पर हीरो बनने के लिए नहीं बने हैं। उनकी एनर्जी, उनकी मौजूदगी और लोगों का उनके प्रति प्यार हमेशा यह एहसास दिलाता था कि उनका मकसद इससे भी बड़ा है।' आगे उन्होंने लिखा, 'मुझे सबसे ज्यादा जिस बात से प्रेरणा मिलती है, वह है एक बिल्कुल नए क्षेत्र में कदम रखने का साहस। ऐसी जगह जाना, जहां दांव कहीं ज्यादा बड़े हों, जबकि आप पहले ही अपने पुराने क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुके हों। यह फैसला इसलिए नहीं लिया जाता क्योंकि वह आसान है, बल्कि इसलिए क्योंकि आपको विश्वास होता है कि आप बदलाव ला सकते हैं।' 'मेरा मानना है कि जिंदगी में कभी न कभी हम सभी के सामने ऐसा मौका आता है, जब हमें खुद से आगे बढ़कर सोचना पड़ता है और यह सवाल पूछना पड़ता है कि हम समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोग उस पुकार का जवाब देते हैं।'

तृषा की फिल्म के लिए विजय ने लिया था बड़ा फैसला

विजय की गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू 24 मई को रिलीज हुई है। फिल्म रिलीज से ठीक पहले फिल्ममेकर्स ने विजय से मुलाकात की थी। उन्होंने इस फिल्म के लिए मॉर्निंग शो रखे जाने की मांग की, जिसे विजय ने अप्रूवल दे दिया था। जबकि साउथ में 2023 की फिल्म थुनिवू के मॉर्निंग शो में हुई भगदड़ से एक शख्स की मौत होने के बाद इसे बंद कर दिया गया।

> सामंथा रुथप्रभू इन दिनों अपकमिंग फिल्म मां इंती भंगारम से चर्चा में हैं। ये फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

वीरास्वामी की 100 साल पुरानी लीज खत्म, मालिक कोर्ट पहुंचे, रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से इनकार

ब्रिटेन में सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां पर बंद होने का खतरा

चुनौती

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में मौजूद सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी पर बंद होने का खतरा बढ़ गया है। जिस इमारत में यह रेस्तरां चलता है, उसका मालिक क्राउन एस्टेट है। क्राउन एस्टेट ब्रिटेन की एक बड़ी सरकारी संपत्ति संस्था है, जो राजा या रानी के नाम पर चलती है।

अब क्राउन एस्टेट वीरास्वामी की इमारत में कुछ बदलाव और नया निर्माण करना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है। वीरास्वामी रेस्तरां की जून 2025 में लीज खत्म हो गई थी। रेस्तरां का कहना है कि अगर लीज नहीं बढ़ाई गई तो उसे 100 साल पुरानी अपनी जगह छोड़नी पड़ेगी। इसलिए रेस्तरां ने इस फैसले को चुनौती देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

लंदन की रीजेंट स्ट्रीट पर पिछले 100 साल से चल रहा भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी अब बंद होने के खतरे का सामना कर रहा है।

29 जून से 5 दिन चलेगी सुनवाई

वीरास्वामी की मूल कंपनी एमडब्ल्यू ईट (MW Eat) 29 जून से शुरू होने वाली पांच दिन की सुनवाई में सेंट्रल लंदन काउंटी कोर्ट में अपना पक्ष रखेगी। क्राउन एस्टेट का कहना है कि वह विक्ट्री हाउस नाम की इमारत के ऊपरी मंजिलों पर मौजूद दफ्तरों में बदलाव करना चाहता है। ये दफ्तर 2023 में आई बाढ़ के बाद बिजली व्यवस्था प्रभावित होने से खाली पड़े हैं।

योजना के तहत रेस्तरां और दफ्तरों की एंट्री पॉइंट के बीच की दीवार हटाकर एक बड़ा रिसेप्शन एरिया बनाया जाएगा। क्राउन एस्टेट का कहना है कि इससे वह ऑफिस का किराया काफी बढ़ा सकेगा। हालांकि, रेस्तरां के मालिक इस तर्क से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि मरम्मत और नवीनीकरण का काम रेस्तरां को हटाए बिना भी किया जा सकता है। क्राउन एस्टेट ने जून 2025 में वीरास्वामी रेस्तरां की सालाना 2.05 लाख पाउंड (करीब 2.6 करोड़ रुपए) की लीज को रेन्यू करने से मना कर दिया था। अगर अदालत में रेस्तरां हार जाता है तो जिस जगह पर वह अभी चल रहा है, उसे दफ्तरों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

100 साल से चल रहा रेस्तरां

वीरास्वामी की शुरुआत अप्रैल 1926 में हुई थी। यह सिर्फ एक रेस्तरां नहीं बल्कि ब्रिटेन में भारतीय खाने के इतिहास का अहम हिस्सा माना जाता है।

पिछले एक सदी में यहां कई मशहूर लोग आ चुके हैं। इनमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल, अभिनेत्री विवियन ली, अभिनेता मार्लन ब्रैंडो, लॉरेंस ओलिवियर, चार्ली चैपलिन और यहां तक कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भी शामिल हैं।

रेस्तरां का मेन्यू भारत में जन्मे एडवर्ड पामर ने तैयार किया था। उन्हें हैदराबाद के शाही महल में बनने वाले व्यंजनों की रेसिपी अपनी दादी से मिली थी और उसी से प्रेरित होकर उन्होंने यहां का खाना तैयार किया।

> यह रेस्तरां दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन बमबारी (ब्लिट्ज) से भी बच गया। उसने रेस्तरां उद्योग के उतार-चढ़ाव भी देखे, लेकिन अब एक साल से चल रही कानूनी लड़ाई के बाद उसके अस्तित्व पर सवाल खड़ा हो गया है।

करी के साथ बीयर पीने की परंपरा यहीं से शुरू हुई

वीरास्वामी को 2016 में मिशेलिन स्टार मिला था। यह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित रेस्तरां सम्मानों में से एक है। रेस्तरां से जुड़ा एक दिलचस्प दावा भी किया जाता है। कहा जाता है कि इंग्लैंड में करी के साथ बीयर पीने की आदत सबसे पहले इसी रेस्तरां से शुरू हुई थी। रेस्तरां के मालिकों के मुताबिक, डेनमार्क के राजा जब भी लंदन आते थे, तो वीरास्वामी में खाना खाने जरूर पहुंचते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पसंदीदा कार्ल्सबर्ग बीयर का एक पूरा पीपा रेस्तरां में रखवा दिया था ताकि जब भी वे करी खाने आएं, वही बीयर उन्हें परोसी जा सके।

फास्ट न्यूज

साइबेरिया में दबा 'रेयर अर्थ मटेरियल' खोदकर निकालेगा भारत

नई दिल्ली। रूस ने भारत को साखा (याकुटिया) गणराज्य में स्थित टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपाजिट तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है। भारत की सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) इस डिपाजिट के सैंपल (नमूने) हासिल करने और उनके विश्लेषण के लिए रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ गोपनीय बातचीत कर रही है।

चांदी 3,988 गिरकर 2.44 लाख पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 3,988 रुपए गिरकर 2.44 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.48 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 816 रुपए गिरकर 1.49 लाख रुपए पर आ गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

एनएसई ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट फाइल किया

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी NSE ने IPO के लिए SEBI के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस यानी DRHP दाखिल किया है। अनलिस्टेड मार्केट में NSE की वैल्यूएशन करीब 5 लाख करोड़ रुपए है, जिसके आधार पर एक्सपर्ट्स अनुमान लगा रहे हैं कि इस IPO का साइज लगभग 30,000 करोड़ रुपए हो सकता है। अगर ऐया होता है ता ये ये देश का सबसे बड़ा IPO हो सकता है।

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

मॉस्को के सभी एयरपोर्ट बंद तेल रिफाइनरी पर भी बमबारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से ज्यादा समय से जारी जंग के बीच गुरुवार को एक बहुत बड़ा मोड़ आ गया। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले के बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के सभी बड़े एयरपोर्ट पर उड़ानों को पूरी तरह रोक दिया गया है। रूस की विमानन संस्था 'रोसावियात्स्य' ने पुष्टि की है कि हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। रूसी अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने मास्को के आसमान में यूक्रेन के 180 ड्रोनों को मार गिराया है। इस महाहमले के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बड़ा एलान किया है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेनी सेना ने इसी हफ्ते दूसरी बार मॉस्को की एक बहुत बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने टेलीग्राम बयान जारी करते हुए कहा कि यह हमारे शहरों और कस्बों पर किए गए रूसी हमलों का एक 'बिल्कुल जायज' जवाब है। हमारे सैनिकों ने रूस की उस सैन्य मशीनरी को चोट पहुंचाई है जो इस युद्ध को बढ़ावा देती है। इसके अलावा राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह भी साफ किया कि यूक्रेनी सेना केवल मास्को तक ही सीमित नहीं रही। उनके जवानों ने रूस के रोस्तोव इलाके और यूक्रेन के उन हिस्सों में भी कई ठिकानों को सफलतापूर्वक तबाह कर दिया है, जिन पर रूस ने अवैध कब्जा कर रखा है।

यूएई-सिंगापुर पहली पसंद, अमेरिकी सबसे ज्यादा माइग्रेट हो रहे, वेल्थ हब में भारत का स्कोर 56.5

दुनियाभर में रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति देश छोड़ेंगे

मुंबई, एजेंसी

हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, इस साल रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति अपना देश छोड़कर दूसरे देशों का रुख करने (माइग्रेट) वाले हैं। पिछले साल करीब 1.42 लाख करोड़पतियों ने देश छोड़ा था।

2024 में यह आंकड़ा 1.34 लाख, जबकि 2013 में 51 हजार था। अमीर परिवार अब सिर्फ टैक्स छूट नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और बेहतर निवेश के लिए भी दूसरे देश जा रहे हैं। यूएई 85.3 स्कोर के साथ सबसे पसंदीदा 'वेल्थ हब' है। भारत का स्कोर 56.5 है।

अमेरिका: सबसे ज्यादा अमीर परिवार देश छोड़ने को तैयार

अमेरिका का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर सिर्फ 62.3 है। यहां से सबसे ज्यादा लोग अन्य देशों की नागरिकता मांगते हैं। 2025 में ऐसे आवेदन दोगुने हुए और यह रफ्तार 2026 में भी बनी रही। सिर्फ 7% आवेदन विदेश में बसे अमेरिकियों से आए, बाकी देश में रह रहे अमीरों से। इनमें से आधे यूरोप के लिए और एक चौथाई से ज्यादा लैटिन अमेरिका-कैरिबियन के लिए हैं।

ब्रिटेन: बढ़ रहा पलायन, ये 5वां सबसे बड़ा सोर्स मार्केट

2024-25 में ब्रिटेन के पते से आवेदन 15% बढ़े। 2026 में वहां से 53% आवेदन विदेशी नागरिकों के, यानी ब्रिटिश नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग आधी रही। 2018 में यह हिस्सेदारी सिर्फ 8% थी। 2018 में ब्रिटेन 20वां सबसे बड़ा सोर्स मार्केट था। अब टॉप 5 में है।

भारत: दूसरी नागरिकता एस्टेट प्लानिंग का हिस्सा

भारत का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर 56.5 है। यह ढांचागत चुनौतियों वाली श्रेणी में आता है। इसकी सबसे बड़ी वजह पूंजी पर चुनिंदा लोगों का नियंत्रण और टैक्स को लेकर जटिल नियम हैं। अमीर भारतीय परिवारों के लिए दूसरा निवास या नागरिकता अब एस्टेट प्लानिंग और टैक्स स्ट्रक्चरिंग जैसे फैसलों का हिस्सा बन रही है। शिक्षा, बिजनेस विस्तार और सक्सेशन प्लानिंग इनमें शामिल हैं।

यूएई: प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल कर रहे अमीर

यूएई का स्कोर सबसे ऊंचा 85.3 है। ज्यादातर मांग प्रवासी कारोबारियों की है, जो यूएई को आधार बनाकर दूसरे विकल्प तलाश रहे। ये अमीर यूएई को एक प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं।

यूरोप: स्पेन, पुर्तगाल में सख्ती से ग्रीस को फायदा

निवेश-नागरिकता आवेदनों में करीब आधे पुर्तगाल, इटली, नीदरलैंड्स, साइप्रस जैसे यूरोपीय देशों के लिए हैं। स्पेन का गोल्डन वीसा बंद होने, पुर्तगाल का रियल एस्टेट रूट हटने से ग्रीस को सीधा फायदा हो रहा है।

हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, ब्रिटेन में भी पलायन बढ़ रहा।

तिब्बत से काठमांडू तक कनेक्टिविटी ब्लूप्रिंट तैयार, भारत की बढ़ेगी चिंता?

चीन से नजदीकी बढ़ा रहा नेपाल

काठमांडू, एजेंसी

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। नेपाल और चीन अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नए मुकाम पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में, नेपाल ने चीन के साथ अपनी सीमा पर कई अहम परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने का फैसला किया है। चीन इन सभी विकास कार्यों को अपनी महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजना का हिस्सा बता रहा है।

वहीं, भारत लगातार इस चीनी पहल को लेकर अपना विरोध जताता रहा है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने अपनी भारत यात्रा के तुरंत बाद चीन का दौरा किया, जहां उन्होंने स्पष्ट किया कि काठमांडू प्रशासन सीमा पार कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देगा ताकि नेपाल को एक लैंड-लॉक्ड देश के बजाय लैंड-लिंक्ड देश के रूप में स्थापित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, नेपाल में चीन समर्थक राजनीतिक दलों का मजबूत होना और तिब्बत के मुद्दे पर नेपाल का सार्वजनिक रूप से चीन को आश्वस्त करना भी भारत के लिए परेशानी का सबब है।

अमेरिकी पहलों पर चीन की सख्त आपत्ति

बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ, चीन नेपाल में अन्य देशों के प्रभाव को भी पूरी तरह से खारिज करने का प्रयास कर रहा है। बीजिंग ने नेपाल में अमेरिकी मिलिनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) और स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (एसपीपी) जैसी परियोजनाओं पर खुलकर अपनी गहरी आपत्ति दर्ज कराई है।

भारत के लिए बढ़ती रणनीतिक चिंताएं

नेपाल में चीन की बढ़ती सक्रियता और निवेश भारत के लिए कई मोर्चों पर गहरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। रणनीतिक मामलों के जानकारों का मानना है कि चीन अपनी हिमालयी रणनीति के तहत नेपाल को एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी मान रहा है, जिससे इस क्षेत्र में भारत के पारंपरिक कूटनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव को सीधी चुनौती मिल रही है।

- **ट्रांस-हिमालयन कनेक्टिविटी नेटवर्क के माध्यम से दोनों देश सड़क, रेल और ऊर्जा संपर्क का एक बहुत व्यापक ढांचा विकसित करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही, सीमा पर माल ढुलाई और व्यापारिक क्षमता को दोगुना करने के लिए विशेष गलियारे और आधुनिक सुविधाएं भी तैयार की जा रही हैं।**

ट्रांस-हिमालयन नेटवर्क से सीमा पार कनेक्टिविटी

नेपाल और तिब्बत के बीच संपर्क को मजबूत करने के लिए दोनों देशों ने एक विस्तृत खाका तैयार किया है। इसके तहत केरुंग-चिलिमे ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य तिब्बत के बिजली नेटवर्क को सीधे नेपाल के ग्रिड से जोड़ना है। इसके अलावा, तिब्बत के केरुंग को नेपाल की राजधानी काठमांडू से जोड़ने के लिए एक प्रस्तावित रेलवे लाइन पर भी तेजी से काम करने पर सहमति बनी है।

साइबेरिया में दबा 'रेयर अर्थ मटेरियल' खोदकर निकालेगा भारत

रूस ने की पेशकश, चीन को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस ने भारत को साखा (याकुटिया) गणराज्य में स्थित टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपाजिट तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है। भारत की सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) इस डिपाजिट के सैंपल (नमूने) हासिल करने और उनके विश्लेषण के लिए रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ गोपनीय बातचीत कर रही है।

'द मास्को टाइम्स' ने रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि डिपाजिट से मिले मटीरियल की प्रोसेसिंग रूस में ही होगी। इसके बाद विस्तृत जांच के लिए भारत भेजा जाएगा, जहां भारतीय विशेषज्ञ सहयोग के बारे में फैसला लेने के लिए इसके मिनरल कंपोजिशन (खनिज संरचना) का आकलन करेंगे।

टॉमटोर रेयर अर्थ मेटल्स डिपाजिट दुनिया में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के सबसे बड़े अविकसित स्रोतों में से एक है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब भारत क्रिटिकल मिनिरल्स के लिए घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने और चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

- **रूस ने भारत को टामटोर रेयर अर्थ डिपाजिट तक पहुंच दी**
- **आइआरईएल और रोसनेफ्ट नमूनों के विश्लेषण पर कर रहे बात**
- **भारत क्रिटिकल मिनिरल्स के लिए चीन पर निर्भरता घटाएगा**

दुर्घटना: न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में भारतीय छात्र की मौत, हादसे के बाद घोड़ा-गाड़ी प्रतिबंध की मांग तेज

मां की जान बचाने के चक्कर में घोड़ा-बग्गी से कूदा भारतीय छात्र

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित मशहूर 'सेंट्रल पार्क' से एक बेहद दुखद खबर आई है। यहां अपनी मां को बचाने की कोशिश में एक 18 साल के भारतीय छात्र की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब एक बग्घी का घोड़ा अचानक भड़क गया और तेजी से दौड़ने लगा, जिससे संतुलन बिगड़ गया। मृतक छात्र की पहचान 18 वर्षीय रोमांच महाजन के रूप में हुई है। रोमांच अपने परिवार के साथ पहली बार न्यूयॉर्क घूमने गया था। बग्घी के पलटने से ठीक पहले, रोमांच की मां प्रिया चलती बग्घी से नीचे गिर गईं। अपनी मां को गिरता देख रोमांच ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत बग्घी से नीचे छलांग लगा दी। रोमांच के पिता ने कहा कि मेरे बेटा सिर्फ अपनी मां को बचाने के लिए नीचे कूद गया। नीचे कूदते ही रोमांच का सिर जमीन से बहुत तेजी से टकराया और वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत 'न्यूयॉर्क-प्रेसबिटेरियन वील कॉर्नेल मेडिकल सेंटर' ले जाया गया, जहां बुधवार रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसे में रोमांच के माता-पिता और छोटे भाई को मामूली चोटें आई हैं। प्रशासन के मुताबिक, मई 2025 से अब तक सेंट्रल पार्क के आसपास घोड़ों से जुड़े आठ हादसे हो चुके हैं। शहर के अधिकारियों का कहना है कि इस दर्दनाक घटना के बाद अब पार्क में इन घोड़ा-गाड़ियों को हमेशा के लिए बंद करने का वक्त आ गया है।

> इस हादसे के बाद न्यूयॉर्क में घोड़ा-गाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग फिर से तेज हो गई है। ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर केम्प ने कहा कि ड्राइवर का फोटो खींचने के लिए गाड़ी छोड़ना पूरी तरह गलत था। बग्घी के मालिक ने ड्राइवर को अनिश्चित काल के लिए सस्पेंड कर दिया है।

फोटो खिंचवाने के चक्कर में हुआ हादसा

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार की है। बग्घी का ड्राइवर पर्यटकों (महाजन परिवार) की एक पारिवारिक तस्वीर खींचने के लिए अपनी सीट से उतरा। उसी पल घोड़ा किसी बात से डर गया और अचानक बेकाबू होकर भागने लगा। घोड़ा फुटपाथ और घास के मैदानों पर पागलों की तरह बग्घी को खींच रहा था। रोमांच के पिता दीपक महाजन ने बताया कि हम सब डर के मारे चिल्ला रहे थे।

क्रिटिकल मिनरल्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करेंगे जी-7 देश

लिथियम, निकेल पर ध्यान केंद्रित करते हुए नया मंच बनेगा

एवियन, एजेंसी

क्रिटिकल मिनरल्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करने की जी7 नेताओं ने अहम कदम उठाया है। उन्होंने बुधवार को क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन पर तालमेल बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने स्टाक जमा करने के लिए तालमेल बिठाने के साथ ही इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आइईए) की बड़ी भूमिका वाले एक नए सहयोग मंच के लिए योजनाएं बनाईं। पश्चिमी देश रक्षा, टेक्नोलाजी और रिन्यूएबल एनर्जी के लिए जरूरी धातुओं के स्रोतों में विविधता लाने और चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम करने की होड़ में लगे हैं। पिछले साल चीन ने जब परमानेंट मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाई थी, तो कुछ उद्योगों का काम लगभग ठप हो गया था, जिससे दुनिया की एक ही स्रोत पर निर्भरता उजागर हुई और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई। नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'हम एक जैसे और आपस में तालमेल बिठाने वाले तंत्र बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी शुरुआत दो अहम खनिजों (लिथियम और निकेल) से होगी और इसका मकसद प्रतिस्पर्धा को कमजोर किए बिना या लागत का बहुत ज्यादा बोझ डाले बिना काम करना होगा।'

- **जी7 ने चीन पर महत्वपूर्ण खनिज निर्भरता कम करने पर सहमति जताई।**
- **आपूर्ति श्रृंखलाओं में तालमेल और स्टॉक जमा करने की योजना।**

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676

C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K